लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

गुरुवार, 2 अक्टूबर, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 83
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

जिसको जो कहना है कहने दो अपना क्या जाता है.. ये वक्त-वक्त कि बात है, सबका वक्त आता है...

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi | NIGHT 27° Low

संक्षेप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तबीयत अचानक बिगड़ी, बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे (83) की तबीयत अचानक खराब हो गई है। उनको कर्नाटक में बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे को मंगलवार रात को बुखार और पैरों में दर्द की समस्या हुई थी, जिसके बाद उन्हें एमएस रमैया अस्पताल लाया गया था। यहां चिकित्सकों ने उनको कुछ जांचों के लिए भर्ती कर लिया है। उनकी स्थिति ठीक है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। कांग्रेस के एक नेता ने मीडिया को बताया कि चिंता की कोई बात नहीं, खड़गे पूरी तरह ठीक हैं और डॉक्टर की निगरानी में हैं। बता दें कि पिछले साल खड़गे को जम्मू-कश्मीर में कठुआ की रैली को संबोधित करते समय चक्कर आ गा था। तब उन्होंने अपने समर्थकों से कहा था कि वह ठीक हैं और उनकी मृत्यु जल्दी नहीं होगी। खड़गे ने रैली में कहा था, जब तक हम (नरेंद्र) मोदी को नहीं हटा देते, मैं जीवित रहूंगा। खड़गे को 7 अक्टूबर को नागालैंड के कोहिमा जाना है, जहां वे नागा सॉलिडैरिटी पार्क में जनसभा को संबोधित करेंगे। सुरक्षित लोकतंत्र, सुरक्षित धर्मनिरपेक्षता और सुरक्षित नागालैंड विषय पर आयोजित कार्यक्रम में युवा रोजगार और सड़क संपर्क जैसे जरूरी समस्याओं पर चर्चा होगी। यहां 10,000 लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, तबीयत में सुधार न होने पर खड़गे का दौरा रद्द हो सकता है। कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, नागालैंड प्रभारी सप्तगिरि शंकर उलाका (ओडिशा सांसद) शामिल होंगे।

गौतम अदानी ने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में शामिल लोगों से मुलाकात की

नई दिल्ली। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन से पहले, गौतम अदानी ने अपने दिव्यांग साथियों, निर्माण श्रमिकों, महिला कर्मचारियों, इंजीनियरों, कारीगरों, अग्निशमन कर्मियों और सुरक्षा गार्डों से मुलाकात की। इन लोगों ने हवाई अड्डे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है, जो क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह हवाई अड्डा 3,700 मीटर के रनवे के साथ बड़े वाणिज्यिक विमानों को समायोजित करने में सक्षम होगा। हवाई अड्डे में उन्नत यात्री टर्मिनल और आधुनिक हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियां होंगी। गौतम अदानी ने इन लोगों की भावनाओं को समझने की कोशिश की और उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जब लाखों उड़ानें आसमान में उड़ान भरेंगी और अरबों लोग हवाई अड्डे से गुजरेंगे, तो इन लोगों की भावनाएं हर उड़ान और हर कदम पर गूंजेंगी। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मुंबई महानगर क्षेत्र में एयर ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम करेगा। हवाई अड्डे के तीसरे चरण में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे इसकी क्षमता 50 मिलियन से 90 मिलियन यात्रियों तक बढ़ जाएगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल: पीएम मोदी बोले- अंग्रेजों के अत्याचार का सामना किया, आरएसएस राष्ट्र चेतना का अवतार है

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया। संघ की स्थापना विजयादशमी के दिन हुई। पीएम मोदी ने कहा कि विजयदशमी असत्य पर सत्य की जीत, अंधकार पर प्रकाश की जीत, अन्याय पर न्याय का जीत का दिन है। पीएम ने कहा कि विजयादशमी पर संघ की स्थापना कोई संयोग नहीं था ये हजारों सालों से चली आ रही परंपरा का पुर्नउत्थान था जिसमें राष्ट्र चेतना समय समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है।

पीएम ने कहा कि जो जारी किए गए 100 रुपये के सिक्के पर एक तरफ राष्ट्रीय चिन्ह है दूसरी तरफ भारत माता की भव्य छवि और समर्पण भाव से उसे नमन करते स्वयंसेवक दिखाई देते हैं। भारतीय मुद्रा पर भारत माता की तस्वीर, शायद आजाद भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि जारी किए गए डाकटिकट में 26 जनवरी 1963 के गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुए स्वयंसेवक दिखाई दे रहे हैं। साथ ही संघ के स्वयंसेवक समाज को सशक्त कर रहे हैं, इसकी भी झलक इस स्मारक डाक टिकट पर है। पीएम ने कहा कि संघ के अलग अलग संगठन अलग अलग क्षेत्र से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। सबका एक ही भाव है राष्ट्र प्रथम।

पीएम ने कहा, एक स्वयंसेवक होने के नाते...

पीएम ने कहा कि संघ समरसता के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब संघ बना तब के संघर्ष कुछ और थे। आज जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है तब चुनौतियां अलग है, संघर्ष भी अलग हैं। दूसरे देशों पर निर्भरता, एकता को तोड़ने की साजिश, डेमोग्राफी में बदलाव का षडयंत्र...एक पीएम के नाते मैं कहूंगा कि मुझे बहुत संतोष है कि हमारी सरकार इन चुनौतियों से तेजी से निपट रही है। एक स्वयंसेवक के नाते मुझे ये भी खुशी है कि संघ ने न सिर्फ इन चुनौतियों की पहचान की है बल्कि निपटने के लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है।

घुसपैठ और डेमोग्राफी में बदलाव बड़ी चुनौती

पीएम ने कहा कि आत्मनिर्भर विकल्प नहीं यह अनिवार्य है। स्वदेशी को समाज का संकल्प बनाना है। मोदी ने कहा कि आज देश के सामने ऐसे संकट खड़े हो रहे हैं जो हमारी एकता, संस्कृति और सुरक्षा पर सीधा प्रहार कर रहे हैं। अलगाववादी सोच, क्षेत्रवाद, कभी जाति कभी भाषा को लेकर विवाद, कभी बाहरी शक्तियों की तरफ से भड़काने की कोशिश, ये सब अनगिनत चुनौतियां हमारे सामने हैं। भारत की आत्मा विविधता में एकता रही है, अगर इस सूत्र को तोड़ा गया तो भारत की शक्ति भी कमजोर होगी। इसलिए हमें इस सूत्र को लगातार मजबूती देनी है। सामाजिक समरसता को आज डेमोग्राफी में बदलाव के षडयंत्र से, घुसपैठियों से चुनौती मिल रही है। ये हमारी आंतरिक सुरक्षा और भविष्य से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है। इसलिए मैंने लाल किले से डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। हमें इस चुनौती का डटकर मुकाबला करना है।

संघ का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण

पीएम मोदी ने कहा कि अपने गठन के बाद से ही संघ विराट उद्देश्य लेकर चला, यह उद्देश्य रहा राष्ट्र निर्माण। संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का रास्ता चुना। कार्यपद्धि चुनी नित्य और नियमित चलने वाली शाखा। उन्होंने कहा कि संघ शाखा का मैदान ऐसी प्रेरणा भूमि है जहां से स्वयंसेवक की अहम से वयम की यात्रा शुरू होती है। इन शाखाओं में व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास होता है। स्वयंसेवकों के लिए त्याग और समर्पण सहज हो जाता है, उन्हें सामूहिक निर्णय और सामूहिक कार्य का संस्कार मिलता है।

आजादी के आंदोलन का जिक्र

पीएम ने कहा कि हेडगेवार और कई स्वयंसेवकों ने आजादी के आंदोलन में हिस्सा लिया। कई स्वतंत्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहा। कई स्वंयसेवकों ने अंग्रेजों के भीषण अत्याचार का सामान किया। आजादी के बाद भी हैदराबाद में निजामों के अत्याचार के खिलाफ संघर्ष से लेकर गोवा के स्वतंत्रता आंदोलन और दादर नागर हवेली की मुक्ति तक संघ ने कई बलिदान दिए। पीएम ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की यात्रा में संघ पर कई हमले हुए। आजादी के बाद भी संघ को कुचलने का प्रयास हुआ, मुख्य धारा में आने से रोकने के अनगिनत षडयंत्र हुए। गुरूजी को झूठे केस में फंसाया गया, जेल तक भेज दिया गया लेकिन जब वे जेल से बाहर आए तो सहज रूप से कहा कि कभी कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते। क्योंकि दांत भी हमारे हैं और जीभ भी हमारी है। चाहे संघ पर प्रतिबंध हुए, षडयंत्र हुए, झूठे मुकदमे हुए संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को जगह नहीं दी। संघ के लोकतंत्र और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर अडिग विश्वास ने कटुता को जन्म नहीं लेने दिया। जब देश पर इमरजेंसी थोपी गई तो इसी एक विश्वास ने हर स्वयंसेवक को ताकत दी। समाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा। पीएम ने संघ के सेवाकामों का भी जिक्र किया।

'गोलवलकर ने मुश्किल दौर में संभाला आरएसस का नेतृत्व, संगठन के भविष्य को दिशा दी', वरिष्ठ पत्रकार का बयान

नागपुर। माधव सदाशिवराव गोलवलकर ने एक कठिन दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का नेतृत्व किया था और उसे आकार दिया था। वह आरएसएस प्रमुख (सरसंघचालक) बनने के लिए एक अप्रत्याशित विकल्प थे। आरएसएस के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार ने जून 1940 में अपने निधन से पहले गोलवलकर को उत्तराधिकारी चुना। वरिष्ठ पत्रकारी सुधीर पाठक ने यह बात कही। सुधीर पाठक आरएसएस से जुड़े अखबार 'तरुण भारत' के संपादक रह चुके हैं। उन्होंने पीटीआई को बताया कि गोलवलकर की नियुक्ति चौंकाने वाली थी, क्योंकि वह 1925 में संघ की स्थापना के समय से इससे नहीं जुड़े थे। गोलवलकर उस समय प्राणी विज्ञान (जूलॉजी) के प्रोफेसर थे और रामकृष्ण मिशन जैसे संगठन में शामिल होना चाहते थे और सन्यास लेने तक का विचार कर चुके थे।

उन्होंने कहा, सरसंघचालक के पद के लिए अप्पाजी जोशी जैसे आरएसएस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम पर भी विचार किया गया था। हालांकि गोलवलकर उस समय सरकार्यवाह (महासचिव) थे, लेकिन उनसे वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। फिर भी हेडगेवार ने अंतिम रूप से तय किया कि गोलवलकर ही संघ का नेतृत्व करेंगे। गोलवलकर को 'गुरुजी' के नाम से लोकप्रिया थे और 1973 में निधन तक इस पद पर रहे।

'कुछ स्वयंसेवकों ने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया'

आरएसएस प्रमुख बनने के बाद गोलवलकर का ध्यान शाखाओं का विस्तार करने और स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व निर्माण पर रहा। इसी बात को हेडगेवार ने भी महत्वपूर्ण माना था। 1942 में 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान जब यह सवाल उठा कि आरएसएस को इस आंदोलन में भाग लेना चाहिए या नहीं, तो गोलवलकर ने निर्णय लिया कि संगठन के तौर पर संघ इसमें भाग नहीं लेगा, लेकिन स्वयंसेवक व्यक्तिगत रूप से शामिल हो सकते हैं। कुछ स्वयंसेवकों ने आंदोलन में भाग भी लिया।

'तीन आरएसएस कार्यकर्ताओं को सुनाई गई फांसी की सजा'

पाठक ने बताया कि बालासाहेब देशपांडे जैसे स्वयंसेवकों ने नागपुर जिले के रामटेक तहसील कार्यालय से यूनियन जैक (ब्रिटिश झंडा) हटा दिया था। चिमूर-अष्टी आंदोलन में भी आरएसएस कार्यकर्ता शामिल हुए, जहां सात लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई थी, जिनमें से तीन स्वयंसेवक थे। बाद में उन्हें प्रिवी परिषद से राहत मिली। 1947 में विभाजन के समय गोलवलकर ने इसका विरोध किया, लेकिन संघ उस समय इसे प्रभावी तरीके से रोकने की स्थिति में नहीं था।

'गांधी के निधन पर गोलवलकर ने जताया था शोक'

उन्होंने आगे कहा, 1948 में गांधीजी की हत्या के बाद आरएसएस को सबसे बड़ा संकट झेलना पड़ा। सरकार ने संघ पर प्रतिबंध लगा दिया और गोलवलकर को मध्य प्रदेश की बैतूल और सिवनी जेलों में बंद कर दिया गया। पाठक ने बताया कि गोलवलकर ने गांधीजी की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल और गांधीजी के परिवार को टेलीग्राम भेजे थे।

ईडी ने अनिल अंबानी से जुड़े छह ठिकानों पर की छापेमारी

मुंबई, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के खिलाफ चल रही जांच के सिलसिले में मुंबई और मध्य प्रदेश के इंदौर के पास महू में छह स्थानों पर छापे मारे।

छापेमारी में पाथ इंडिया समूह का मुख्यालय और उस कंपनी के निदेशकों के आवास शामिल हैं। ये छापे अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर से संबंधित हैं और विदेशों में अवैध धन प्रेषण के आरोपों पर आधारित हैं।

रिलायंस समूह और पाथ इंडिया समूह के बीच विभिन्न निर्माण परियोजनाओं से जुड़े समझौते थे। जांच एजेंसियों को संदेह है कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने अवैध रूप से विदेश में धन भेजा। इसके अलावा, ईडी भी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत रिलायंस समूह की कंपनियों के खिलाफ 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋणों के डायवर्जन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच कर रहा है।

ईडी ने इस जांच में 39 बैंकों से पूछताछ की है और उनसे पूछा है कि संदिग्ध ऋणों और चूकों की अनदेखी के लिए उन्हें जिम्मेदार क्यों न ठहराया जाए। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने सीएलई नामक एक कंपनी के माध्यम से अंतर-कॉर्पोरेट जमा (आईसीडी) के रूप में रिलायंस समूह की अन्य कंपनियों को अवैध रूप से धन हस्तांतरित किया। आरोप है कि शेयरधारकों और लेखा परीक्षा समिति की मंजूरी से बचने के लिए सीएलई को संबंधित पक्ष घोषित नहीं किया गया था।

इस मामले में सेबी की रिपोर्ट ने विवाद खड़ा कर दिया है, जिसमें सीएलई के जरिए हुए वित्तीय लेन-देन की जांच की गई है। इसके अलावा, अगस्त 2025 में ईडी ने बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल को पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया था। उन पर रिलायंस पावर को 68।2 करोड़ रुपये की फ़ज़ीर् बैंक गारंटी देने का आरोप है। अनिल अंबानी को भी लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है, जिससे उनके विदेश यात्रा पर रोक लगा दी गई है।

हम बनाएंगे...भारत में कंपनियों की लगी लाइन, 5th Gen फाइटर जेट बनाने के लिए सभी तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। सात भारतीय रक्षा कंपनियों ने देश के पहले पाँचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) के प्रोटोटाइप के डिज़ाइन और विकास के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के साथ साझेदारी हेतु बोलियाँ प्रस्तुत की हैं। यह ऐसे समय में हुआ है जब एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ADA) द्वारा जारी रुचि पत्र (EoI) का जवाब देने की अंतिम तिथि 30 सितंबर थी।

प्रमुख रक्षा कंपनियों ने प्रस्ताव प्रस्तुत किए

रक्षा अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि बोलीदाताओं की सूची में लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, अदानी डिफेंस, कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स जैसी प्रमुख कंपनियाँ शामिल हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व प्रमुख ए. शिवथानु पिल्लई के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय समिति अब बोलियों का मूल्यांकन करेगी। अधिकारियों के अनुसार, दो कंपनियों को चुना जाएगा और उत्पादन अधिकार दिए जाने से पहले उन्हें उच्चतम मानकों के अनुसार एएमसीए के पाँच प्रोटोटाइप बनाने के लिए 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएँगे।

अंतिम निर्णय रक्षा मंत्रालय पर निर्भर

पिल्लई समिति द्वारा मूल्यांकन रिपोर्ट और सिफारिशें रक्षा मंत्रालय को सौंपी जाएंगी, जो उद्योग भागीदारों के चयन पर अंतिम निर्णय लेगा। पिछले साल सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से मंजूरी मिलने के बाद से ही रक्षा मंत्रालय एएमसीए परियोजना से निकटता से जुड़ा हुआ है। रक्षा सचिव इस महत्वाकांक्षी परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए डीआरडीओ और एडीए के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं।

'स्वयंभू विश्वगुरु बेनकाब, मोदी की विदेश नीति फेल' ट्रंप की मुनीर तारीफ के बाद कांग्रेस हमलावर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की तारीफ ने भारत की कूटनीति को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पार्टी का कहना है कि अब केवल नारेबाजी, डींगे मारने और भाषण झाड़ने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'स्वयंभू विश्वगुरु और उनके चेले अब पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं। भारतीय कूटनीति के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हैं, सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि और भी कई देशों के साथ संबंधों में दिक्कतें हैं।'

तीन महीने में दो बार मुनीर से मिले ट्रंप- रमेश

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि ट्रंप ने पिछले तीन महीनों में व्हाइट हाउस में मुनीर से दो बार मुलाकात की है। अब ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें अच्छा लगा जब फील्ड मार्शल मुनीर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव रोककर लाखों लोगों की जान बचाई। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि उनके चीफ ऑफ स्टाफ ने मुनीर की इस बात को 'सबसे खूबसूरत चीज' बताया।

'मोदी सरकार की विदेश नीति हो रही फेल'

कांग्रेस का कहना है कि ट्रंप की इन टिप्पणियों और पाकिस्तान सेना प्रमुख की मौजूदगी में हुई इन मुलाकातों से साफ है कि मोदी सरकार की विदेश नीति केवल प्रचार तक सीमित रही है और असल कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की साख कमजोर पड़ रही है।

जयराम रमेश ने साझा किया ट्रंप का भाषण

इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने ट्रंप के उस भाषण को साझा किया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप का मुनीर के प्रति आकर्षण अब भी जारी है, जबकि मुनीर के भड़काऊ और सांप्रदायिक बयानों के बाद ही अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमला हुआ था।

ट्रंप ने फिर अलापा भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम का राग

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान जैसे परमाणु संपन्न देशों के बीच बड़े टकराव को खत्म किया। वर्जीनिया के क्वांटिको में सैन्य अधिकारियों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'मैंने अपने कार्यकाल के नौ महीनों में सात युद्ध खत्म कर दिए। कल शायद मैंने अब तक का सबसे बड़ा विवाद सुलझा लिया। भारत और पाकिस्तान का विवाद बहुत बड़ा था और मैंने उसे रोक दिया।'

दिल्ली आश्रम के आरोपी बाबा की चैट लीक, सामने आई ये जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान के पूर्व निदेशक स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती (पार्थ सारथी) की अश्लील व्हाट्सएप चैट लीक हो गई है। संस्थान की 17 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे बाबा छात्राओं से अश्लील बातचीत करते थे और छात्राओं को बेबी कहते थे। उन्होंने छात्राओं को सेक्स वर्कर के तौर पर दुबई जाने का न्यौता भी दिया था। आरोपी बाबा पुलिस की हिरासत में है।

मिली चैट में आरोपी बाबा ने छात्राओं को लिखा, दुबई का एक शेख सेक्स पार्टनर चाहता है, क्या आपका कोई अच्छा दोस्त है? छात्रा ने कोई नहीं का जवाब लिखा तो बाबा ने लिखा, यह कैसे संभव है? इस पर छात्रा ने कोई जानकारी न होने की बात कही।

बरेली बवाल में एक और नया खुलासा

बिहार और बंगाल से भी आए थे बवाली... यहां ठहरे थे, गिरफ्तारी से खुला राज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली बवाल में एक और नया खुलासा हुआ है। पुलिस और खुफिया अमले ने पहले ही अंदेशा जताया था कि बरेली में उपद्रवी दूसरे जिलों और राज्यों से भी आए थे। इसकी तस्दीक उपद्रवियों की गिरफ्तारी के बाद हो गई है। कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को कुल 14 उपद्रवी गिरफ्तार किए। इनमें से दो उपद्रवी बिहार के रहने वाले हैं।

इनमें हरमेन रजा और नेमतुल्ला बिहार के जिला पूर्णिया के निवासी हैं। एसपी सिटी ने बताया कि वह नौमहला मस्जिद में ही रह रहे थे। उपद्रव करने के बाद दोनों बिहार भागने की फिराक में थे तभी कोतवाली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इनके अलावा सोमवार को जेल भेजे गए दो आरोपी बिहार व पश्चिम बंगाल के निवासी थे।

प्रशासन के कहने पर पोस्ट डाली, फिर डिलीट की

पुलिस की जांच में पता लगा है कि बृहस्पतिवार रात जब नफीस व नदीम ने मौलाना से फोन पर बातचीत के बाद जनता के शहर न आने संबंधी पत्र जारी किया तो उसे पुलिस प्रशासन के अफसरों को देने के साथ ही आईएमसी के व्हाट्सएप ग्रुप में डाल दिया। तब अधिकारियों ने अनुरोध किया कि इसे आईएमसी के फेसबुक पेज पर भी डाल दें। तब नफीस ने यह पत्र अपने बेटे को भेजकर संगठन के फेसबुक पेज पर अपलोड करने को कहा। फरमान ने इस पत्र को अपलेड करके पोस्ट किया। पुलिस अधिकारियों ने इसी दौरान पांच मिनट बाद ही संगठन का फेसबुक पेज देखा तो वह पोस्ट फरमान डिलीट कर चुका था।

मौलाना ने दी थी प्रशासन को चुनौती

फरमान ने शुक्रवार सुबह मौलाना तौकीर रजा का एक भड़काऊ बयान वाला वीडियो सोशल मीडिया पेज पर अपडेट किया था। इसमें मौलाना आई लव मोहम्मद की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने के लिए लोगों से चलो इस्लामिया, भरो इस्लामिया का आह्वान कर रहा है। वायरल वीडियो में मौलाना साफतौर पर पुलिस प्रशासन को चुनौती दे रहा है। कह रहा है कि कर्फ्यू लगा दीजिए, कोई परवाह नहीं है। निकलेंगे तो निकलेंगे। लाठी चलाओ, गोली चलाओ या कर्फ्यू लगाओ।

बरेली बवाल : अब तक 73 आरोपी गिरफ्तार

आई लव मोहम्मद के समर्थन में हुए बवाल के दौरान पुलिस पर फायरिंग के एक आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में 16 और आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। अब तक 73 उपद्रवियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

तौकीर रजा के करीबी का बरातघर सील

बरेली विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण के आरोप में मौलाना तौकीर रजा खां के एक करीबी के बारातघर को सील कर दिया। इसके साथ ही नगर निगम ने सपा पार्षद के दो चार्जिंग स्टेशनों को ध्वस्त किया है। इन्हें नगर निगम की जमीन और नाले पर बनाया गया था।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि 26 सितंबर को पार्षद अनीस की अपील पर काजीटोला का ताजीम तमंचा लेकर भीड़ में आया था। वह लोगों को भड़का रहा था। पुलिस ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया तो ताजीम ने पुलिस पर ही फायरिंग कर दी। मंगलवार को राधा माधव स्कूल के पास मुठभेड़ के बाद पुलिस ने ताजीम को गिरफ्तार कर लिया। उसके बाएं घुटने में गोली लगी है। ताजीम पशु तस्करी का भी आरोपी है।

इसके अलावा बारादरी और कोतवाली थाने की पुलिस ने आईएमसी के जिलाध्यक्ष शमशाद सहित 15 आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा। जबकि, एक किशोर को बाल सुधार गृह भेजा गया है। अब तक 73 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस के मुताबिक मौलाना तौकीर के करीबी सूफी टोला निवासी शराफत के नरियावल स्थित बारातघर पर बीडीए ने सीलिंग की कार्रवाई की। वहीं, नगर निगम ने अपनी जमीन और नाले पर बने सपा पार्षद उमान रजा खान के दो चार्जिंग स्टेशन की बाउंड्रीवाल और बीच की दीवार ढहा दी।

> नफीस व उसके बेटे फरमान के खिलाफ पुलिस को पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं कि वह लोग बवाल कराने में भूमिका निभा रहे थे। फरमान ने सोशल मीडिया पर माहौल भड़काने में कसर नहीं छोड़ी। नए आरोपियों का नाम मुकदमों में शामिल किया गया है। किसी और की भूमिका मिली तो उसे भी नहीं बख्शा जाएगा।
>
> **- अनुराग आर्य, एसएसपी**

पुलिस ने जारी किया बरेली बवाल का ड्रोन वीडियो, सड़क पर बेकाबू दिखी भीड़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद से अब तक 75 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच पुलिस ने बुधवार को बवाल से संबंधित ड्रोन वीडियो जारी किए हैं। पुलिस के मुताबिक ये वीडियो उस वक्त हैं, जब बिहारीपुर इलाके में नमाज के बाद खलील तिराहे के पास सड़क पर भीड़ जुटी थी। बेकाबू भीड़ को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। जब लोग नहीं माने तो पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। ड्रोन वीडियो में बेकाबू भीड़ को पुलिस रोकने का प्रयास करती दिख रही है। इसके बाद लाठीचार्ज होता है।

26 सितंबर को क्यों हुआ बवाल?

आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर भीड़ जुटी थी। मौलाना के नदारद रहने से भीड़ अराजक हो गई। पुलिस का दावा है कि लोगों ने दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की थी। बेकाबू भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। आंसू गैस के गोले दागे गए थे। पुलिस के मुताबिक बवाल में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे

बवाल के बाद पुलिस ने शहर के अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें 125 लोग नामजद और करीब तीन हजार अज्ञात आरोपी हैं। सात मुकदमों में मौलाना तौकीर रजा का नाम हैं। बवाल की जांच के लिए डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी के निर्देश पर एसएसपी अनुराग आर्य ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसआईटी में एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में तीन सीओ और 14 इंस्पेक्टर शामिल हैं।

अब तक 75 आरोपी गिरफ्तार

बवाल के बाद से अब तक 75 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी हैं। मौलाना तौकीर रजा समेत आठ आरोपियों को दूसरे दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद डॉ. नफीस और नदीम खान समेत अन्य लोगों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में पकड़े गए दोनों आरोपियों को पैर में गोली लगी है। दोनों शाहजहांपुर के मदनापुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक नदीम ने दोनों को बुलाया था। दोनों बवाल में शामिल रहे थे।

106वीं जयंती पर याद किये गए गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

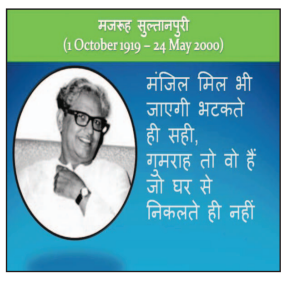

सुल्तानपुर। भारतीय सिनेमा के महान गीतकार और शायर मजरूह सुल्तानपुरी की आज 106वीं जयंती है। हिंदी फिल्म उद्योग को पाँच दशकों तक अपनी शायरी और गीतों से सजाने वाले मजरूह का जन्म 1 अक्टूबर 1919 को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में हुआ था और 24 मई 2000 को मुंबई में उनका निधन हुआ। मजरूह सुल्तानपुरी का असली नाम असरार उल हसन खान था। पेशे से वह हकीम थे, लेकिन शायरी उनकी पहचान बनी। 1945 में मुंबई में आयोजित मुशायरों में भाग लेने के बाद फिल्म निर्माता ए.आर. कारदार की नजर उन पर पड़ी। इसके बाद उन्हें फिल्म शाहजहाँ (1946) के लिए गीत लिखने का मौका मिला। उनका पहला गाना "जब दिल ही टूट गया" के.एल. सहगल ने गाया था, जो आज भी अमर है। फ़िल्मिफ़ेयर पुरस्कारः फिल्म दोस्ती के गीत "चाहूंगा मैं तुझे" के लिए उन्हें फ़िल्मिफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ गीतकार पुरस्कार मिला।

दादा साहब फाल्के पुरस्कारः मजरूह सुल्तानपुरी दादा साहब फाल्के पुरस्कार पाने वाले पहले गीतकार बने। यह सम्मान उन्हें 1993 में दिया गया, जो हिंदी सिनेमा का सर्वोच्च पुरस्कार है। प्रगतिशील लेखक आंदोलनः 1950 और 1960 के दशक में वे भारतीय सिनेमा की संगीत क्रांति का अहम हिस्सा रहे और प्रगतिशील लेखक आंदोलन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पाँच दशकों के लंबे करियर में उन्होंने 250 से अधिक फिल्मों के लिए 2000 से अधिक गीत लिखे। इनमें "जब दिल ही टूट गया", "चाहूंगा मैं तुझे" और "पहला नशा" जैसे सदाबहार गीत शामिल हैं। उनकी लेखनी आज भी पीढ़ियों को मोह लेती है और श्रोताओं के दिलों में बसती है। 80 वर्ष की आयु में 24 मई 2000 को मजरूह सुल्तानपुरी ने अंतिम सांस ली, लेकिन उनकी शायरी और गीत अमर हो गए। उनकी पुण्यतिथि पर पूरा देश उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है और उनके योगदान को याद करता है।

बंदी के इलाज पर कोर्ट सख्त, जेल अधीक्षक व चिकित्सक तलब

सुल्तानपुर। विवाहिता हत्या के मामले में जिला कारागार में बंद आरोपी दयाराम के इलाज को लेकर उठे सवालों पर कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। आरोपी के अधिवक्ता ने जिला जज की अदालत में अर्जी दाखिल कर आरोप लगाया कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे दयाराम का सही ढंग से उपचार नहीं हो रहा है। अर्जी पर सुनवाई करते हुए प्रभारी जिला न्यायाधीश संतोष कुमार ने संज्ञान लिया और जेल अधीक्षक व संबंधित चिकित्सक को चार अक्टूबर दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से अदालत में तलब कर जवाब देने का निर्देश दिया है। अदालत ने आदेश दिया है कि दोनों अधिकारी इलाज से संबंधित सभी प्रपत्रों के साथ पेश हों। मामला चांदा थाना क्षेत्र के सुलतान शहीद-वैतीखुर्द गांव का है। यहां तीन सितंबर 2024 को दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की हत्या का आरोप दयाराम, उनके पुत्र राजेंद्र व अन्य पर लगा था। आरोपी ससुर दयाराम इस समय जिला कारागार में निरुद्ध है।

पटेल चौक पर हुए गोलीकांड के दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कादीपुर सुल्तानपुर। मंगलवार को रात्रि पौने 09 बजे थाना कादीपुर क्षेत्र के कादीपुर चौराहे पर दो पक्षो के बीच विवाद के पश्चात एक पक्ष के द्वारा अवैध असलहे से फायर किया गया। घटना में दुसरे पक्ष के 1- उज्जवल सिंह उम्र 27 वर्ष (जाति-ठाकुर सामान्य) पुत्र जय प्रकाश सिंह निवासी विवेकानन्द नगर 2- नईम अहमद उम्र 34 वर्ष पुत्र फुन्नन घोसी निवासी जवाहरनगर 3- एहसान पुत्र छुट्टन उम्र 19 वर्ष लगभग पुत्र छुट्टन निवासी घोसी थाना कादीपुर घायल हो गये। जिन्हे ईलाज हेतु अस्पताल में भेजा गया। जहां उनकी स्थिति डॉक्टरो द्वारा ठीक बताई गयी है ।इस सम्बंध में थाना कादीपुर पर वादीनी आसमा पत्नी शरीफ निवासी गोपालपुर नमाजगढ थाना कादीपुर द्वारा तहरीर देकर प्रथम पक्ष के आरोपियों अंकित सिंह उम्र 28 वर्ष (जाति-ठाकुर सामान्य) पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम जलालपुर ,शनि सिंह उम्र लगभग 29 वर्ष (जाति-ठाकुर सामान्य) निवासी ग्राम धूरीपुर थाना कादीपुर , राहुल राजपूत उम्र 30 वर्ष (जाति-ठाकुर सामान्य) पुत्र राजनरायण निवासी ग्राम जलालपुर थाना कादीपुर व 02 अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत कराया गया। सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमो का गठन किया गया । जिसके क्रम में सूचना प्राप्त हुई कि उपरोक्त अभियुक्तगण कही भागने की फिराक में है । जिस पर पुलिस टीमो द्वारा घेरा बन्दी की गयी तो अभियुक्तो द्वारा पुलिस टीम पर फायर कर दिया गया आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा फायर किया गया जिसमे अभियुक्त अंकित सिंह व राहुल राजपूत के पैर में गोली लगने से घायल हुए जिन्हे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है आग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। मौके पर पर्याप्त पुलिस बल का बन्दोबस्त किया

कोर्ट मैरिज के लिए फोटो खिंचवाने बाहर आया बदमाश, स्टूडियो के बाहर गर्लफ्रेंड के दो भाइयों ने चाकू से गोदा

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। वो कुख्यात हिस्ट्रीशीटर था, लोग उससे डरते थे, लेकिन परवीन (नाम बदला) उससे डरती नहीं थी। उसका बेखौफ अंदाज ही परवीन को पसंद था। बदमाश का नाम नाइफ था। नाइफ के लिए भी परवीन ही उसकी दुनिया थी। दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं और शादी का फैसला कर लिया। कोर्ट मैरिज के लिए दोनों पहुंचे भी, लेकिन वहां ऐसा मंजर सामने आया, जिस पर किसी को यकीन नहीं हुआ। नाइफ पर अचानक हमला हुआ और चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी गई। परवीन के सामने ही उसका बॉयफ्रेंड तड़प-तड़पकर दम तोड़ गया। ये किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में घटी सच्ची घटना है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में मंगलवार को हुई मर्डर की इस घटना ने हिलाकर रख दिया है। मृतक का नाम नाइफ है, जो शहर का एक कुख्यात बदमाश था। चोरी, चेन स्नेचिंग और कई अपराधिक मामलों में उसका नाम शामिल रहा। इलाके के लोग उससे खौफ खाते थे, लेकिन परवीन का कहना था कि उसे नाइफ का बेखौफ अंदाज़ ही भाता था।

दो दिन पहले नाइफ पर आरोप लगा कि वह परवीन को भगा ले गया है। लड़की के परिजन ने कोतवाली नगर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई। लेकिन कपल अपने फैसले पर अडिग थे। मंगलवार को वे दोनों कोर्ट पहुंचे, ताकि शादी की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। कोर्ट के पास एक फोटो स्टेट और फोटो स्टूडियो की दुकान में दोनों अपनी तस्वीरें खिंचवा रहे थे। शायद उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन उनकी आखिरी घड़ी बन जाएगा। अचानक दुकान का दरवाज़ा धड़धड़ा कर खुला। परवीन के दोनों भाई गुस्से से तमतमाए हुए अंदर घुसे। जैसे ही उन्होंने अपनी बहन को नाइफ के साथ देखा, वे आगबबूला हो गए। नाइफ स्टूडियो से बाहर निकला तो परवीन के दोनों भाई उस पर टूट पड़े। दोनों जेब से चाकू निकाले और नाइफ पर टूट पड़े। परवीन चीखती रही। दुकान के आसपास खड़े लोग दहशत में भाग गए। नाइफ खून से लथपथ ज़मीन पर गिर पड़ा। परवीन ने अपने प्रेमी को बचाने की कोशिश की, लेकिन उसके सामने ही नाइफ तड़प-तड़पकर दम तोड़ गया। घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी मच गई। कोर्ट परिसर, वकीलों के चैम्बर और आसपास की भीड़ हक्की-बक्की रह गई। आरोपी दोनों भाई मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम वहां पहुंची और नाइफ को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की। शुरुआती बयान परवीन ने दिए और साफ कहा कि हत्या उसके भाइयों ने ही की है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए और आसपास के दुकानदारों से पूछताछ की। लेकिन जब पुलिस ने नाइफ की आपराधिक कुंडली देखी तो एक अलग तस्वीर सामने आई—वह पहले से कई मामलों में हिस्ट्रीशीटर था।

मां ज्वाला की दिव्य ज्योति का विंदेश्वरीगंज में भव्य स्वागत

बल्दीराय/सुल्तानपुर। हिमाचल प्रदेश स्थित मां ज्वाला मंदिर से आई दिव्य ज्योति का विंदेश्वरीगंज कस्बे में आगमन हुआ, जहां श्रद्धा और भक्ति के माहौल में इसका भव्य स्वागत किया गया। व्यापार मंडल विंदेश्वरीगंज के तत्वाधान में अध्यक्ष रमाकांत अग्रहरि व उनके सहयोगियों ने ज्योति की अगवानी कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन व आरती उतारी। इस दौरान कस्बे के नागरिकों ने मां ज्वाला की दिव्य ज्योति के दर्शन कर स्वयं को धन्य किया। पूरे कस्बे में "मां ज्वाला की जय" के गगनभेदी जयकारों से वातावरण गूंज उठा और विंदेश्वरीगंज चौराहा भक्तिरस में सराबोर हो गया। इसी श्रृंखला में 1 अक्टूबर को पूरे मोहन मिश्र एंजर में समाजसेवी राजकुमार शुक्ला के संयोजन में माता रानी का भव्य जागरण रात में आयोजित होगा। इस मौके पर अरबिंद, कालीचरण, हरिश्चंद्र, विष्णु सागर, जयप्रकाश सिंह, अवधेश अग्रहरि, सरयु चौरसिया, नन्द किशोर गुप्ता, सचिन पांडे, आदि मौजूद रहे।

बुर्का पहनाया, फिर मारकर कुएं में फेंका... दो साल बाद कुएं में दिखा कंकाल, तब जाकर खुला अयूब और समीदुल का घिनौना राज

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। यूपी के हरदोई जिले में कुएं में अजगर होने की सूचना पर उसे निकालने के लिए वन विभाग की टीम गई थी, लेकिन कुएं में कंकाल दिखा। फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने कुएं से कंकाल निकाला। कंकाल एक हिंदू महिला का है। महिला की पचहान सोनम के रूप में की गई है। मामला हरदोई के संडीला थाना इलाके का है। संडिला पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से इस हत्याकांड का खुलासा किया है।

महिला की हत्या के आरोप में मुस्लिम समुदाय के दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। मुस्लिम समुदाय के दो युवकों ने हिंदू महिला सोनम का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी। आरोपियों का नाम अयूब और समीदुल है। सोनम की हत्या साल 2023 में की गई थी। ये हत्याकांड जिले के संडीला क्षेत्र में किया गया था। हत्याकांड के खुलासे में जो कहानी सामने आई है वो हैरान करने वाली है।

प्रेम जाल में फंसाई गई थी महिला

साल 2023 में गंगाराम पुत्र छेदा रैदास ने पुलिस को प्रार्थना पत्र के माध्यम से सूचना दी थी कि उनकी बहू सोनम पत्नी शशि चंद्र गौतम (30 वर्ष) घर से अचानक लापता हो गई है। इसके बाद काफी तलाश के बाद भी सोनम की कोई भी जानकारी नहीं मिली थी। आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि अयूब ने अपने साथी समीदुल के साथ मिलकर पहले सोनम को अपने प्रेम जाल में फंसाया था। उसके बाद उसे बुर्का पहनाकर दिल्ली ले जाया गया था। घर वापस आने की जिद पर आरोपियों ने संडीला क्षेत्र में लाकर जंगल में पहले सोनम की हत्या कर दी थी। फिर उसकी लाश को कुएं में ठिकाने लगा दिया था। इसी कुएं में अजगर होने की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम को कंकाल दिखा। वहीं दोनों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। दोनों ने कड़ी पूछताछ में अपना जुर्म कुबूल कर लिया है। दोनों को जेल भेज दिया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने क्या बताया?

हरदोई के अपर पुलिस अधीक्षक नृपेंद्र सिंह ने बताया कि कंकाल बरामद होने के बाद फॉरेंसिक टीम की मदद से हत्याकांड का खुलासा किया गया। आरोपी अयूब और समीदुल को गिरफ्तार किया गया। पारिवारिक जनों ने आसपास से प्राप्त चीजों की पहचान की, जिससे सिद्ध होता है कि यह कंकाल सोनम का है। आरोपियों ने भी अपना गुनाह कबूल कर लिया है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

यूपी के स्कूलों में 25000 टीचरों के पद खाली, 90% कॉलेज भी कार्यवाहक प्रिंसिपल के भरोसे खामियाजा भुगत रहे छात्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

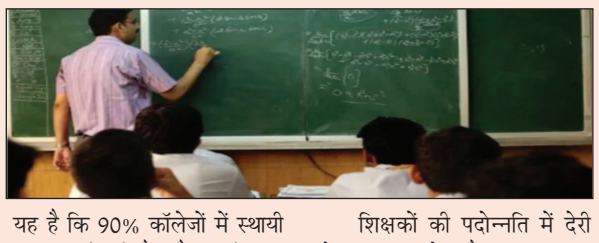

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों और प्रधानाचार्यों की भारी कमी से जूझ रहे हैं, जिसका असर न केवल छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा है, बल्कि स्कूलों की प्रशासनिक व्यवस्था भी चरमरा गई है। प्रदेश के 4512 एडेड और 2441 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में करीब 25,000 शिक्षक पद खाली पड़े हैं। इसके अलावा, 90 प्रतिशत एडेड कॉलेज कार्यवाहक प्रधानाचार्यों के सहारे चल रहे हैं। शिक्षा विभाग अब रिक्त पदों को भरने और पदोन्नति प्रक्रिया को गति देने की तैयारी में है।

प्रदेश के एडेड माध्यमिक विद्यालयों में 65,000 शिक्षक कार्यरत हैं, लेकिन 25,000 से अधिक शिक्षक पद रिक्त हैं। स्थिति यह है कि 90% कॉलेजों में स्थायी प्रधानाचार्य नहीं हैं, और कार्यवाहक प्रिंसिपल ही जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। दूसरी ओर, 2441 राजकीय विद्यालयों (1486 हाईस्कूल और 955 इंटर कॉलेज) में 11,000 से ज्यादा शिक्षक पद खाली हैं। इनमें 450 से अधिक इंटर कॉलेजों में प्रधानाचार्य के पद भी रिक्त हैं, जहां कार्यवाहक प्रिंसिपल काम चला रहे हैं।

पदोन्नति में देरी से बढ़ी मुश्किलें

शिक्षकों की पदोन्नति में देरी ने समस्या को और जटिल कर दिया है। एलटी ग्रेड से प्रवक्ता पद पर पदोन्नति वर्षों से अटकी हुई है, क्योंकि वरिष्ठता सूची तैयार नहीं हो सकी। हाल ही में पदोन्नति कोटे को 83% से घटाकर 66% करने और इसमें खंड शिक्षा अधिकारियों को शामिल करने से स्थिति और उलझ गई है। राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील भड़ाना ने बताया कि सीधी भर्ती से कुछ प्रधानाचार्यों की नियुक्ति हुई, लेकिन पदोन्नति कोटे से नियुक्तियां अब तक लंबित हैं, जिससे प्रवक्ता पद भी खाली पड़े हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था पर असर

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने कहा कि स्थायी प्रधानाचार्यों की कमी से एडेड कॉलेजों की प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो गई है। बार-बार मांग के बावजूद शिक्षा विभाग ने इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो शिक्षक संगठन आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

शिक्षा विभाग का दावा

माध्यमिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा- किसी भी विद्यालय में शिक्षकों की कमी पर काम किया जाएगा। विभाग रिक्त पदों को भरने और पदोन्नति कोटे से प्रधानाचार्यों की नियुक्ति के लिए गंभीरता से काम कर रहा है।

जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी

शिक्षकों और प्रधानाचार्यों की कमी से स्कूलों में पढ़ाई का स्तर गिर रहा है, कई विषयों के लिए विशेषज्ञ शिक्षक नहीं होने से छात्रों को अधूरी शिक्षा मिल रही है। अभिभावकों का कहना है कि सरकार को तत्काल भर्ती प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

सेवार्थम फाउंडेशन लगाएगा रोजगार मेला : आशीष तिवारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय सेवार्थम फाउंडेशन अब बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ी पहल करने जा रहा है। संस्था आगामी 8 और 9 नवंबर को लंभुआ विकास खंड के गोथुआ जागीपुर गांव में दो दिवसीय रोजगार मेला आयोजित करेगी। इसमें मल्टीनेशनल कंपनियों समेत दर्जनों प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी और युवाओं को रोजगार का अवसर प्रदान करेंगी।

शहर के एक निजी होटल में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान फाउंडेशन के संस्थापक आशीष त्रिपाठी ने बताया कि संस्था जरूरतमंदों की मदद के साथ-साथ अब युवाओं के भविष्य को संवारने की दिशा में भी कार्य कर रही है। रोजगार मेले में रियल एस्टेट, मार्केटिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां शामिल होंगी। चयनित युवाओं को रहने और भोजन की व्यवस्था में भी संस्था मदद करेगी। उन्होंने कहा कि रोजगार का यह अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। प्रेसवार्ता में संस्था के जिलाध्यक्ष सुरेश शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

धरियामऊ हादसे में पीड़ित परिवारों को दी आर्थिक मदद और आवास का आश्वासन

सेवार्थम फाउंडेशन ने धरियामऊ हादसे में दिवंगत युवकों के परिजनों से मिलकर आर्थिक सहयोग किया और उनके लिए पक्का आवास निर्माण कराने का आश्वासन दिया। सोमवार को फाउंडेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष तिवारी अर्जुनपुर गांव पहुँचे। यहां उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और सहायता राशि प्रदान की। इस अवसर पर दिवंगत हिमांशु की माता शकुंतला देवी को ₹50,000 की आर्थिक मदद दी गई, साथ ही उनकी बहन हिमांशी को परिवार के लिए दो कमरों का पक्का मकान बनवाने का भरोसा दिया गया।इसी तरह दिवंगत विक्रम-आनन्द के पिता गिरजा प्रसाद व माता निर्मला देवी को भी ₹50,000-₹50,000 की मदद दी गई और आवास का आश्वासन दिया गया। हादसे में घायल सूर्यभान पट्टी निवासी सूरज चौहान को इलाज हेतु ₹10,000 की सहायता दी गई। इसके अलावा मलाकतुलापुर निवासी संतोष पांडे, जो सूरत में हादसे के बाद कोमा में हैं, उनके परिवार को भरण-पोषण हेतु ₹1,00,000 की सहायता राशि दी गई।डॉ. आशीष तिवारी ने कहा कि "सेवार्थम फाउंडेशन सदैव दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा रहेगा और हर संभव सहायता आगे भी प्रदान करता रहेगा।"

महिलाओं के प्रति अपराध में न्यूनतम, सजा दिलाने में नम्बर वन है यूपी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में सजा दिलाने में यह प्रदेश देश में नम्बर वन है। मुख्यमंत्री योगी

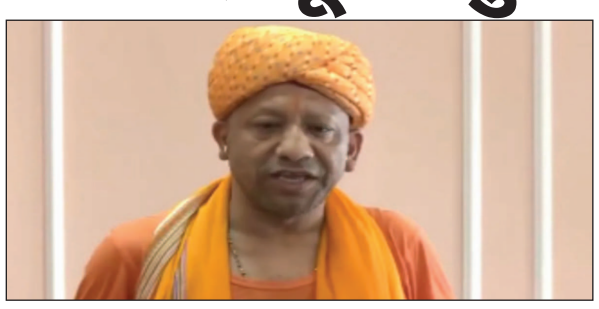

आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा और उल्लास से जुड़ते हैं। सनातन परंपरा में मातृ शक्ति व नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व नई प्रेरणा प्रदान करता है। नवरात्र का यह पर्व अवगत कराता है कि चराचर जगत की आदि शक्ति, नारी शक्ति का ही रूप हैं। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित है सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा सनातन आस्था में नारी शक्ति को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सनातन आस्था की नैतिक जिम्मेदारी के भाव से सरकार नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शारदीय नवरात्र की पहली तिथि, 22 सितंबर से मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ किया गया है। इसमें महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही उनके स्वावलंबन जागरूकता के लिए पंचायत स्तर तक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

फिर पोस्ट की गई सीएम की आपत्तिजनक फोटो...पुलिस ने की रिपोर्ट दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सऊदी अरब में रह रहे थाना सफदरगंज क्षेत्र वासी एक युवक ने सीएम योगी की एडिट की हुई आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम बघौरा निवासी अब्दुल्ला करीब डेढ़-दो साल से सऊदी अरब में रहकर ड्राइविंग का कार्य कर रहा है। आरोप है कि उसने 29 सितंबर को अपने फेसबुक अकाउंट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो को आपत्तिजनक तरीके से एडिट कर पोस्ट किया। इस पोस्ट से आमजन की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँची और क्षेत्र में साम्प्रदायिक तनाव व शांति भंग होने की आशंका उत्पन्न हो गई। इस मामले में ग्राम बरियारपुर निवासी मंशाराम ने थाना सफदरगंज में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता ने बताया कि इस प्रकार की पोस्ट समाज में वैमनस्य फैलाने और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की नीयत से की गई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

त्योहारों से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष अभियान, 20 लाख से अधिक की मिलावटी सामग्री जब्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब के निर्देश पर प्रदेशभर में 29 और 30 सितम्बर को दो दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत 36 जनपदों में मोबाइल प्रयोगशाला (FSW) के माध्यम से मंडियों और प्रमुख बाजारों में खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जांच की गई।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस अभियान में कुल 1688 निरीक्षण किए गए और 667 स्थानों पर छापेमारी की गई। अधिकारियों ने 779 नमूने एकत्र किए जिनमें घी, पनीर, खोया, खाद्य तेल, बेसन और अन्य खाद्य पदार्थ शामिल थे। जांच के दौरान 157 क्विंटल से अधिक खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 20 लाख रुपये से अधिक है। इसके अतिरिक्त 1170 किलोग्राम सामग्री को नष्ट किया गया, जिसका मूल्य लगभग 2 लाख 40 हजार रुपये बताया गया है।इस अभियान में घी के 88, पनीर के 124, खोया के 67, खाद्य तेल के 137, बेसन के 147 और अन्य खाद्य पदार्थों के 216 नमूने संग्रहित किए गए। मोबाइल प्रयोगशालाओं के माध्यम से न केवल जांच की गई बल्कि उपभोक्ताओं को जागरूक करने का भी कार्य किया गया, ताकि त्योहारों के दौरान मिलावट के प्रति सतर्कता बढ़े और जनता का खाद्य सुरक्षा के प्रति विश्वास कायम रहे।आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने सभी सहायक आयुक्तों (खाद्य) और अभिहित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि त्योहारों को देखते हुए विशेष सतर्कता और सजगता बरती जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री न होने पाए और विभागीय अधिकारी इस पर पैनी नजर बनाए रखें।

• संक्षेप •

ठाकुरगंज में घरेलू विवाद के चलते दंपति ने खाया जहरीला पदार्थ, बलरामपुर अस्पताल में भर्ती

लखनऊ। थाना स्थानीय को 01 अक्टूबर 2025 को सूचना प्राप्त हुई कि मुसाहबगंज थाना क्षेत्र के ठाकुरगंज में रहने वाले एक दंपति ने जहरीला पदार्थ खा लिया है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन घर पर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। आस-पास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि परिवार के सदस्य उन्हें इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल ले गए हैं।पुलिस टीम तुरंत बलरामपुर अस्पताल पहुंची, जहां पीड़ित और उनके परिजन मौजूद थे। पूछताछ में पता चला कि दो भाईयों के बीच घरेलू विवाद के चलते बड़े भाई मो0 एहसान पुत्र मो0 आफाक उम्र 30 वर्ष और उसकी पत्नी राबिया उम्र 25 वर्ष ने जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों निवासी 445/380 विश्वास नगर मल्लाही टोला, गऊघाट, थाना ठाकुरगंज हैं। यह घटना उनके छोटे भाई मो0 जिशान पुत्र मो0 आफाक उम्र 21 वर्ष और उसकी पत्नी फिजा उम्र 20 वर्ष से उत्पन्न हुए विवाद के कारण हुई।घटना के बाद परिवार के सदस्यों ने मो0 एहसान और राबिया को तुरंत बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी स्थिति सामान्य बताई गई है और इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने पर इस मामले में आवश्यक विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।यह मामला घरेलू विवाद के चलते उत्पन्न गंभीर परिस्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित करता है और परिवारों को आपसी मतभेदों को हल करने में संयम बरतने की चेतावनी देता है।

उदयगंज तिराहा पर पानी की टैंकर को लेकर विवाद, एक घायल, आरोपी हिरासत में

लखनऊ। थाना हुसैनगंज क्षेत्र में उदयगंज तिराहा पर दो पक्षों के बीच झगड़ा होने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और आसपास के लोगों व क्षेत्रीय निवासियों से जानकारी जुटाई।प्रारंभिक जांच में सामने आया कि झगड़े में प्रथम पक्ष के सन्तोष गुप्ता पुत्र स्व0 गंगा प्रसाद गुप्ता उम्र 45 वर्ष और उनका पुत्र क्रिश गुप्ता शामिल थे, जो तिराहा पर पूजा सामग्री संबंधी दुकान चलाते हैं। द्वितीय पक्ष के रूप में जीतू जायसवाल, जो तिराहा पर स्थित शराब के ठेके में सैल्समैन के रूप में कार्यरत हैं, विवाद में शामिल थे। झगड़ा पानी की टैंकर को खड़ा करने को लेकर हुआ।इस दौरान द्वितीय पक्ष के जीतू जायसवाल के सिर में चोट आई। पुलिस ने तत्काल आरोपी को हिरासत में लिया और घायल को उपचार हेतु सिविल अस्पताल हजरतगंज भेजा। घटना की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रार्थना पत्र मिलने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी विवाद या हिंसक घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। घटना ने स्थानीय क्षेत्र में सुरक्षा और सतर्कता की आवश्यकता को फिर से रेखांकित किया है।

सरोजनीनगर में भाई-भाई के झगड़े के बाद युवक की संदिग्ध मौत, पुलिस ने शुरू की जांच

लखनऊ। बीती रात थाना सरोजनीनगर क्षेत्र में एक युवक अश्वनी सोनी, पुत्र राजेश कुमार सोनी उम्र 33 वर्ष, निवासी रजनीखण्ड शारदानगर, की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी सीएचसी सरोजनीनगर के माध्यम से थाना स्थानीय पुलिस को प्राप्त हुई। बताया गया कि मृतक को उसके छोटे भाई गौरव सोनी द्वारा 30 सितंबर 2025 की रात लगभग 10 बजे चिकित्सालय में मृत अवस्था में लाया गया। पुलिस टीम घटना स्थल पर तत्काल पहुंची और जांच के दौरान मृतक के सिर पर चोट के निशान और खून देखा। शव का पंचनामा भरकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई। गौरव सोनी ने पुलिस को घटना के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी, जिससे मामला और संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।प्रारंभिक पूछताछ और पड़ोसियों से जानकारी के अनुसार, बीती रात दोनों भाई नशे की हालत में आपस में झगड़े में शामिल थे। दोनों भाई सरोजनीनगर में कमला पसन्द गुटखा कम्पनी में मजदूरी करते हैं और अविवाहित हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि घटना संदिग्ध है और सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।

बीबीएयू में 'स्वच्छता की रंगोली' कार्यक्रम, छात्रों ने रंगों से दिया स्वच्छता का संदेश

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज स्वच्छता अनुभाग की ओर से 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छता की रंगोली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी सेनीटेशन डॉ. रवि शंकर वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता फैलाना और समाज में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण हेतु जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना था। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों और विभागों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की और अपनी रंगोली कला के माध्यम से स्वच्छता का महत्व रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं सफाई सेवक भी शामिल हुए और सभी ने सक्रिय रूप से भाग लेकर स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों से आह्वान किया गया कि वे अपने जीवन में स्वच्छता को आदत के रूप में अपनाएं और समाज को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने में सहयोग दें।

उत्तर प्रदेश ने इंस्पायर-मानक योजना में देश में प्रथम स्थान हासिल किया

लखनऊ। इंस्पायर-मानक योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश ने इस वर्ष कुल 2,80,747 नामांकन कर देश में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल की है और प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह योजना की शुरूआत से अब तक का सर्वाधिक नामांकन है।शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. महेन्द्र देव ने बताया कि वर्ष 2025-26 में नामांकन की अवधि 15 जून से 30 सितम्बर तक रही, जिसमें प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के साथ-साथ बेसिक शिक्षा परिषद् के जूनियर हाईस्कूल, कम्पोजिट स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, संस्कृत विद्यालय और केंद्रीय बोर्ड के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

दशहरा पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दी बधाई, कहा – यह पर्व अनीति पर नीति और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विजयदशमी (दशहरा) के पावन अवसर पर देश और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि दशहरा का पर्व साहस, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है और यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।उन्होंने कहा कि दशहरा का त्योहार अनीति पर नीति की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार हमें जीवन में सदाचार अपनाने और बुराई का त्याग करने की प्रेरणा देता है।मौर्य ने कहा कि यह पर्व भारत की सांस्कृतिक एकता को सशक्त बनाता है और हमें आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन मूल्यों को भी दशहरा से जोड़ते हुए कहा कि यह पर्व उन आदर्शों की स्मृति दिलाता है जो सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।उपमुख्यमंत्री ने मंगलकामना व्यक्त की कि यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सम्पन्नता लेकर आए।

बीएसएनएल ने मनाया रजत जयंती वर्ष, लखनऊ में भव्य आयोजनों से गूंजा समारोह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती दिवस का भव्य आयोजन किया। यह ऐतिहासिक अवसर पूरे प्रदेश में उत्साह और गौरव के साथ मनाया गया। राजधानी लखनऊ में दूरसंचार सदन, लाप्लास में सुबह 10 बजे से समारोह का शुभारंभ हुआ, जहां अधिकारियों और कर्मचारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक ए. के. गर्ग ने बीएसएनएल की उपलब्धियों, आत्मनिर्भर भारत में उसकी भूमिका और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल की 25 वर्षों की यात्रा केवल एक संस्थान की कहानी नहीं बल्कि संचार क्रांति के सशक्त कदमों का प्रतीक है। इस दौरान परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्प भी दोहराया गया।समारोह के अंतर्गत आयोजित पदयात्रा रैली ने बीएसएनएल परिवार की एकता और प्रतिबद्धता को नई ऊर्जा दी। यह रैली दूरसंचार सदन से होते हुए सीजीएमटी कार्यालय, हजरतगंज तक निकाली गई, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के समापन पर बीएसएनएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ऑनलाइन संबोधन किया और समस्त कर्मचारियों को संगठन की मूल भावना के प्रति समर्पण बनाए रखने की शपथ दिलाई।सीजीएमटी कार्यालय में आधुनिक कस्टमर सर्विस सेंटर का उद्घाटन किया गया, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही रक्तदान शिविर का आयोजन कर बीएसएनएल परिवार ने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से इसमें भाग लेकर समाजसेवा का संदेश दिया।दोपहर में आयोजित वॉलीबॉल फाइनल मैच ने खेल भावना और टीम स्पिरिट को मजबूत किया। वहीं, शाम को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन हुआ। इसमें भारतीय कला, संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी को आकर्षित किया और बीएसएनएल की रजत जयंती को अविस्मरणीय बना दिया।रजत जयंती वर्ष को उपभोक्ताओं के लिए और भी विशेष बनाते हुए बीएसएनएल ने 'सिल्वर जुबली प्लान (STV 225)' लॉन्च किया। इस योजना के अंतर्गत सभी नेटवर्क पर अनलिमिटेड कॉल, प्रतिदिन 2.5 जीबी डाटा और 100 एसएमएस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर संजय सिंह का हमला, दलित-पिछड़ों-आदिवासियों और महिलाओं की उपेक्षा का लगाया आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने पर संगठन को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रीय' शब्द से जुड़े होने के बावजूद यह संगठन देश की 85 प्रतिशत आबादी यानी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। सांसद ने सवाल उठाया कि एक सदी के लंबे इतिहास में आरएसएस का कोई प्रमुख दलित, पिछड़ा, आदिवासी या महिला क्यों नहीं हुआ। उन्होंने इस आधार पर संगठन को दकियानूसी और संकुचित सोच वाला बताते हुए कहा कि आरएसएस संविधान, आरक्षण और समानता की भावना के खिलाफ है तथा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की विचारधारा का विरोध करता है।संजय सिंह ने आजादी के आंदोलन में आरएसएस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश अंग्रेजों की गुलामी से आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, तब संघ अंग्रेजों का साथ दे रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान संघ के लोग हिंदुस्तानियों को अंग्रेजी सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित करते थे। शोधों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस ने स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारियों की मुखबिरी की और 'भारत छोड़ो आंदोलन' का विरोध तक किया। इतना ही नहीं, यह वही संगठन था जिसने भारत की आन-बान-शान तिरंगे झंडे तक का विरोध किया था। संजय सिंह ने इसे इतिहास का ऐसा काला अध्याय करार दिया, जिसका आरएसएस कभी खंडन नहीं कर सकता।आप सांसद ने आरएसएस को महिमामंडित करने की कोशिशों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर टिकट जारी करने और पाठ्यक्रमों में संघ का इतिहास शामिल किए जाने की चर्चा हो रही है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि इस दौरान संगठन की तारीफ और कसीदे तो पढ़े जाएंगे, लेकिन यह नहीं बताया जाएगा कि आरएसएस ने स्वतंत्रता आंदोलन में देश के साथ गद्दारी की थी। उन्होंने तीखा सवाल किया कि आखिर देश को यह क्यों नहीं बताया जाता कि संघ ने अपने मुख्यालय पर पूरे 52 साल तक तिरंगा झंडा क्यों नहीं फहराया।

उत्तर प्रदेश ने इंस्पायर-मानक योजना में देश में प्रथम स्थान हासिल किया

लखनऊ। इंस्पायर-मानक योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश ने इस वर्ष कुल 2,80,747 नामांकन कर देश में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल की है और प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह योजना की शुरूआत से अब तक का सर्वाधिक नामांकन है।शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. महेन्द्र देव ने बताया कि वर्ष 2025-26 में नामांकन की अवधि 15 जून से 30 सितम्बर तक रही, जिसमें प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के साथ-साथ बेसिक शिक्षा परिषद् के जूनियर हाईस्कूल, कम्पोजिट स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, संस्कृत विद्यालय और केंद्रीय बोर्ड के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं राज्य सह नोडल अधिकारी श्री विवेक नौटियाल ने कहा कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रदेश ने 70,400 अधिक नामांकन दर्ज कर अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में नामांकन संख्या 2,10,347 थी।

बाली वध व समुद्र पार कर सेना पहुंची लंका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अर्जुनगंज सब्जीमंडी में चल रही रामलीला मंचन के दौरान बुधवार को रामलीला मंचन के दौयान बाली सुग्रीव के युद्ध में प्रभु श्री राम द्वारा बाली के वध का सजीव वर्णन किया गया। हनुमान जी दारा माता सीता की खोज में निकले तो तड़का व लंकनी वध किया गया। रामलीला मंचन के दौरान हनुमान जी द्वारा लंका दहन किया गया। बियर वीर हनुमान द्वारा सीता का पता लगाने के बाद वापस आने पर लका पर चढ़ाई की तैयारी शुरू कर दी गई। कलाकारों किये गए रामलीला के मंचन के दौरान बाहर सेना जय श्री राम के नारे लगाते हुए समुद्र पर पत्थर के सेतु का निर्माण कर लगा पर पहुंच गए।

प्रदेश में खाद्य सुरक्षा का दो दिवसीय विशेष अभियान, 157 कुंतल से अधिक सामग्री जब्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डा. रोशन जैकब के निर्देश पर 29 और 30 सितम्बर को प्रदेश के 36 जनपदों में खाद्य पदार्थों जैसे पनीर, घी, खोया, खाद्य तेल और बेसन आदि की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विशेष दो दिवसीय अभियान चलाया गया। इस दौरान मोबाइल प्रयोगशाला (FSW) के माध्यम से मण्डियों और प्रमुख बाजारों में प्राथमिक जाँच की गई।अभियान के दौरान कुल 1688 निरीक्षण किए गए और 667 स्थानों पर छापेमारी की गई। 779 नमूने संग्रहित किए गए, जबकि 157 कुंतल से अधिक मात्रा की खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 20 लाख रुपये से अधिक है। इसके अलावा, 1170 किलोग्राम सामग्री नष्ट की गई, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 2 लाख 40 हजार रुपये है। नमूनों में घी के 88, पनीर के 124, खोया के 67, खाद्य तेल के 137, बेसन के 147 और अन्य पदार्थों के 216 नमूने शामिल हैंअभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं में खाद्य सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाना और बाजारों में मिलावट के खिलाफ सतर्कता बढ़ाना था। अभियान के दौरान विभाग के अधिकारियों ने Testing और Awareness कार्यक्रम के माध्यम से प्रमुख बाजारों में लोगों को जागरूक किया और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित की।डा. रोशन जैकब ने सभी सहायक आयुक्तों (खाद्य) और अभिहित अधिकारियों को त्यौहारों के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी खाद्य सामग्री में मिलावट न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुए टेस्टिंग की जाए और मिलावटखोरों के खिलाफ कार्यवाही में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

साइबर हेल्प डेस्क की कार्यवाही से 72 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी का समाधान, 22 हजार रुपये लौटाए गए

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की साइबर सेल और साइबर हेल्प डेस्क टीम ने हाल ही में ऑनलाइन ठगी के एक मामले को सुलझाते हुए पीड़ित को 22 हजार रुपये की धनराशि वापस दिलाई। यह कार्रवाई पश्चिमी ज़ोन के थाना अमीनाबाद क्षेत्र में हुई, जहां आवेदक के खोए हुए मोबाइल फोन के जरिए विभिन्न बैंकों (HDFC, SBI, PNB) के खातों में UPI एक्टिवेट कर 72,000 रुपये की ठगी की गई थी।शिकायतकर्ता श्याम लाल माखीजा ने 11 सितंबर 2025 को एनसीआरपी पोर्टल पर प्रार्थना पत्र के माध्यम से इस धोखाधड़ी की जानकारी दी। उसके मोबाइल फोन से फ्रॉडस्टरों द्वारा पैसे ट्रांसफर किए गए थे। साइबर सेल और साइबर हेल्प डेस्क ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्यवाही शुरू की।टीम ने विभिन्न बैंक खातों में भेजी गई धनराशि का पता लगाया और खाताधारकों से संपर्क कर उन्हें फ्रॉड की जानकारी दी। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए साइबर ठग द्वारा भेजी गई राशि में से 22,000 रुपये शिकायतकर्ता के खाते में वापस करवा दिए गए। शेष राशि की वापसी के लिए भी लगातार कार्यवाही की जा रही है।साइबर हेल्प डेस्क प्रभारी उपनिरीक्षक राहुल कुमार चौधरी ने बताया कि शिकायतकर्ता अपनी धनराशि पाकर अत्यंत प्रसन्न है और पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की प्रशंसा कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी निजी जानकारी जैसे कार्ड नंबर, CVV, खाता नंबर, OTP आदि किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें और किसी अज्ञात व्यक्ति के कहने पर कोई भी ऐप डाउनलोड न करें। साथ ही, बैंक खाते में ऑनलाइन लेन-देन के लिए हमेशा न्यूनतम बैलेंस रखें।साइबर हेल्प डेस्क टीम में शामिल थेः उपनिरीक्षक राहुल कुमार चौधरी (प्रभारी), उपनिरीक्षक मृत्युंजय सिंह, कांस्टेबल पवन कुमार यादव, कांस्टेबल मोहित सिंह यादव और माट्रन अधिकारी शिल्पी देवी।

वैश्विक वर्चस्व की कुंजी ऊर्जा नीतियां

आज की दुनिया में ऊर्जा नीतियां सिर्फ आर्थिक निर्णय नहीं हैं, बल्कि वैश्विक वर्चस्व की कुंजी हैं। जब अमेरिका तेल और गैस पर दांव लगा कर पुरानी राह पर लौट रहा है, वहीं चीन स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को गति दे रहा है। यह विरोधाभास न केवल आर्थिक असंतुलन पैदा कर रहा है, बल्कि भविष्य की तकनीकी दिग्गजों-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-के लिए बुनियादी ढांचे को भी प्रभावित कर रहा है। साइरस जेन्सेन की हालिया वीडियो 'अमेरिका जस्ट मेड द ग्रेटेस्ट मिस्टेक ऑफ द 21वीं सेंचुरी इस मुद्दे को बेबाकी से उजागर करती है।

अमेरिका, जो कभी नवाचार का प्रतीक था, अब अपनी ऊर्जा नीतियों में उल्टा चढ़ाव दिखा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, अमेरिका ने अलास्का में 44 अरब डॉलर का प्राकृतिक गैस प्रोजेक्ट शुरू किया था। जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की योजनाओं को रद्द कर रही हैं, और वी8 गैस इंजनों पर लौट रही हैं। यहां तक कि ईवी खरीद पर टैक्स क्रेडिट भी समाप्त कर दिए गए हैं। यह सब तब हो रहा है, जब दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, और नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य का रास्ता दिख रही है।

जेन्सेन की वीडियो में साफ कहा गया है कि अमेरिका की यह रणनीति अल्पकालिक लाभ के लिए है। तेल और गैस निर्यात बढ़ाने से तत्काल आर्थिक फायदा तो मिलेगा, लेकिन लंबे समय में यह वैश्विक बाजारों में पीछे धकेल देगा। अमेरिका ने 1950 के दशक में सोलर पैनल विकसित किए थे, 1970 के दशक में लिथियम-आयन बैटरी का आविष्कार किया, लेकिन रोनाल्ड रीगन जैसे नेताओं ने जिमी कार्टर के व्हाइट हाउस सोलर पैनल हटाकर इसकी उपेक्षा की। आज भी वही पुरानी सोच हावी है।

परिणामस्वरूप, अमेरिका ईवी निर्यात में मात्र 12 अरब डॉलर और बैटरी निर्यात में 3 अरब डॉलर पर सिमट गया है, जबकि सोलर पैनल निर्यात तो महज 69 मिलियन डॉलर का है। यह भूल सिर्फ आर्थिक नहीं, भू-राजनीतिक भी है। वैश्विक दक्षिण-जो सौर और पवन ऊर्जा के 70 प्रतिशत स्रेतों और महत्त्वपूर्ण खनिजों के 50 प्रतिशत का नियंत्रण रखता है-अब नवीकरणीय ऊर्जा की ओर मुड़ रहा है।

अमेरिका का जीवाश्म ईंधन पर फोकस इन देशों को अलग-थलग कर देगा जबकि चीन इनके साथ साझेदारी कर रहा है। वहीं, चीन ने स्वच्छ ऊर्जा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लिया है। 2024 में चीन ने दुनिया के बाकी देशों से ज्यादा विंड टर्बाइन और सोलर पैनल लगाए। ईवी और बैटरी स्टोरेज में निवेश ने इसे वैश्विक नेता बना दिया है। पिछले साल चीन ने 38 अरब डॉलर के ईवी निर्यात किए, 65 अरब डॉलर की बैटरी बेचीं, और सोलर पैनल के 40 अरब डॉलर के निर्यात किए। स्वच्छ ऊर्जा पेटेंट में चीन के पास 7 लाख से ज्यादा हैं, जो दुनिया के आधे से अधिक हैं।

जेन्सेन उद्धृत करते हुए बताते हैं कि चीन की सफलता का राज समन्वित प्रयास है। सीएल के सह-अध्यक्ष शिएन पैन कहते हैं, 'चीन को लंबे लक्ष्य पर प्रतिबद्ध करना मुश्किल है, लेकिन जब हम प्रतिबद्ध होते हैं, तो समाज के हर पहलू-सरकार, नीति, निजी क्षेत्र, इंजीनियरिंग-सभी एक ही लक्ष्य की ओर कड़ी मेहनत करते हैं। यह दृष्टिकोण अमेरिका की छिटपुट नीतियों से बिल्कुल अलग है। चीन अब वैश्विक बाजारों में फैल रहा है। ब्राजील, थाईलैंड, मोरक्को और हंगरी में ईवी और बैटरी फैक्टरियां बना रहा है। हंगरी में 8 अरब डॉलर का कारखाना, इंडोनेशिया में 11 अरब डॉलर का सोलर प्लांट-ये निवेश न केवल आर्थिक, बल्कि भू-राजनीतिक लाभ भी दे रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से जेन्सेन कहते हैं, 'ईवी बैटरी बनाने वाले देश दशकों तक आर्थिक और भू-राजनीतिक फायदे काटेंगे। अभी तक का एकमात्र विजेता चीन है।

पिछले 15 वर्षों में चीन ने बिजली उत्पादन में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। यह आंकड़ा महत्त्वपूर्ण है क्योंकि एआई जैसी उभरती तकनीकें बिजली पर निर्भर हैं। चीन का स्वच्छ ऊर्जा निवेश न केवल पर्यावरण बचाएगा, बल्कि एआई क्रांति में भी नेतृत्व देगा। आरएमआई की 'पावरिंग अप द ग्लोबल साउथ रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक दक्षिण के 70 प्रतिशत सौर-पवन संसाधन चीन की रणनीति से जुड़ रहे हैं। यह संघर्ष सिर्फ दो महाशक्तियों का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का है। वैश्विक दक्षिण-अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, दक्षिण एशिया-अब सस्ती और सतत ऊर्जा की तलाश में है। चीन ने इन देशों में सस्ते सोलर पैनल और ईवी तकनीक पहुंचाई है, जबकि अमेरिका के महंगे गैस प्रोजेक्ट इनके लिए बोझ साबित हो रहे हैं।

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार, विदेशी फिल्मों पर 100% टैरिफ से बॉलीवुड होगा प्रभावित

हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं।

नीरज कुमार दुबे

ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से VFX और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज़ में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100% टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि "अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।"

देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की "अमेरिका फर्स्ट" सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा?

हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से VFX और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोज़गार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे "अमेरिका की कमजोरी" के रूप में देखते हैं।

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फ़िल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100% टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फिल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं।

इसके अलावा, OTT और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नी+ हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा। इससे भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रसार धीमा हो सकता है।

विडंबना यह है कि ट्रंप जिस हॉलीवुड की रक्षा करना चाहते हैं, उसी को उनके फैसले से सबसे बड़ा नुकसान होगा। हम आपको बता दें कि अमेरिकी फ़िल्म उद्योग की 70% कमाई अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से होती है। यदि अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो हॉलीवुड का कारोबार ध्वस्त हो सकता है। इसके अलावा, हॉलीवुड की तमाम बड़ी फ़िल्मों— अवेंजर्सः एंडगेम, ड्यून, जंगल बुक, इंटरस्टेलर का पोस्ट-प्रोडक्शन भारत जैसे देशों में हुआ है। अगर यह सहयोग बाधित होता है तो न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि रचनात्मक गुणवत्ता भी प्रभावित होगी।

माना जा रहा है कि भारतीय एनीमेशन और VFX उद्योग 2026 तक 2.2 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। ट्रंप का यह फैसला इस ग्रोथ को रोक सकता है। लेकिन यह भारत के लिए एक अवसर भी है- नए बाजारों और साझेदारियों की तलाश का। यूरोप, एशिया और अफ्रीका में भारतीय कंटेंट के लिए संभावनाएँ हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यदि भारत अपनी फिल्मों और सेवाओं को अन्य बाज़ारों तक पहुँचाता है तो वह इस झटके को संतुलित कर सकता है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि उनकी नीतियों का केंद्र केवल "अमेरिका फर्स्ट" है, भले ही इससे उनके सहयोगी देशों को नुकसान क्यों न हो। भारत जैसे उभरते साझेदार, जिन्होंने दशकों से अमेरिकी तकनीक, मनोरंजन और व्यापार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, इस फैसले से प्रत्यक्ष नुकसान उठाएँगे। बॉलीवुड, जो विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, अमेरिकी बाज़ार में अपनी स्थिति खो सकता है। भारतीय दर्शकों के लिए टिकट और स्ट्रीमिंग की कीमतें बढ़ेंगी, और निर्माताओं को नए बाजार तलाशने होंगे।

बहरहाल, ट्रंप के लिए यह राजनीतिक सफलता हो सकती है, किंतु वैश्विक सिनेमा के लिए यह कदम विनाशकारी सिद्ध होगा। सवाल यह है कि क्या दुनिया अमेरिकी राष्ट्रवाद के इस नए रूप के आगे झुक जाएगी, या फिर भारतीय सिनेमा समेत वैश्विक फिल्म उद्योग एकजुट होकर इसका जवाब देगा?

ब्लॉग

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान विभूतियों-गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-"आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते"- यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- 'महात्मा गांधी, 1869-1948'। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है,जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी।

अजब-गजब

चाइना जाकर कच्चा ऑक्टोपस खा गया इंडियन बंदा, वीडियो देख लोगों को आने लगी उल्टी

दुनिया में लोग क्या-क्या नहीं खाते। धरती से लेकर पानी में रहने वाले तरह-तरह के जीव-जंतुओं को भी लोग खा जाते हैं। भारत में तो नहीं, लेकिन कई देश ऐसे हैं, जहां के लोग सांप, मगरमच्छ और यहां तक कि ऑक्टोपस भी खा जाते हैं। इन देशों में थाईलैंड से लेकर साउथ कोरिया और चीन तक शामिल हैं। चीन में तो कई रेस्टोरेंट में कच्चे ही ऑक्टोपस मिलते हैं, जिसे वहां के लोग बड़े चाव से खाते हैं, पर क्या आपने कभी किसी भारतीय शख्स को ऑक्टोपस खाते देखा है? जी हां, ऐसे ही एक शख्स का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग चौंक गए हैं।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि भारतीय शख्स चाइना गया हुआ है और वहां के एक रेस्टोरेंट में बैठा है। उसने अपने खाने के लिए कच्चा ऑक्टोपस मंगाया हुआ है, जो उसके सामने टेबल पर एक ट्रे में रखा हुआ है। उसके हाथ में चॉपस्टिक है, जिससे वह ऑक्टोपस को उठाता है और एक चटनी जैसी किसी चीज में डुबाता है और खा जाता है। फिर वह बिल्कुल बेफिक्र होकर उसे चबाना शुरू कर देता है। उसके बाद वह कहता है कि ऑक्टोपस भले ही कच्चा है, लेकिन टेस्ट में अच्छा है, क्योंकि इसका चटनी अच्छा है। ये बेहद ही अजीब नजारा है, जिसे देखकर लोगों का मन खराब हो गया। इस बंदे का नाम गणेश मुले बताया जा रहा है। इस चौंका देने वाले वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ganesh_mule_yt नाम की आईडी से शेयर किया गया है, जिसे अब तक 5 मिलियन यानी 50 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि 88 हजार से अधिक लोगों ने वीडियो को लाइक भी किया है और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दी हैं। वीडियो देख किसी ने लिखा है, 'भाई, ये देख कर ही उल्टी आ रही है', तो एक अन्य यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा है, 'क्या इंडिया में समोसा-गोलगप्पे खत्म हो गए थे जो वहां जाकर ये सब खाना पड़ रहा है?'। वहीं, कुछ यूजर्स ने बंदे की हिम्मत की दाद देते हुए कहा कि इतना गट्स होना चाहिए इसे खाने के लिए।

'मसीही किताबें पढ़ो तो खत्म होंगी सारी समस्याएं...', महिलाओं को समझाती थीं दोनों, धर्मांतरण केस में खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के सहजनवां थाना क्षेत्र में धर्मांतरण कराने की कोशिश के आरोप में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिलाएं गरीब बस्तियों में जाकर मसीही प्रार्थना कराती थीं। साथ ही लोगों को उस धर्म की पुस्तकें पढ़ने के लिए भी प्रेरित करती थीं। कहती थीं कि मसीही पुस्तकें पढ़ने से सारी समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान क्षेत्र की लक्ष्मी यादव और रोशनी के रूप में हुई। पुलिस ने उन्हें जेल भिजवा दिया है। बताया जा रहा है कि लक्ष्मी घर पर ब्यूटी पार्लर के साथ सिलाई सिखाने का भी काम करती थी। वह दावा करती थी कि जो वह बोलती जाए, वही काम सारे लोग करें तो सारे कष्ट खत्म हो जाएंगे।

उसके घर पर ज्यादातर गांव की गरीब महिलाएं आती थीं। उन्हें नौकरी और पैसे का भी लालच दिया जाता था। लक्ष्मी की आठ साल की बेटी भी है। घर में पति वीरेंद्र यादव भी रहते हैं। लक्ष्मी की आदतों की वजह वह उससे मतलब नहीं रखते हैं। पुलिस की पूछताछ में लक्ष्मी ने बताया कि उसे पांच साल पहले पथरी की शिकायत हो गई थी। काफी दर्द से परेशान रहती थी। बहुत इलाज कराया लेकिन ठीक नहीं हुआ। तब किसी के बताने पर बहराइच इलाज कराने गई। वहां एक किताब दी गई।

धार्मिक पुस्तक पढ़ने से एक झटके में खत्म हो जाएगी बीमारी

गरीब बस्तियों में जाकर लक्ष्मी लोगों को धर्म विशेष की किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करती थी। उन्हें कहती थी–इसे पढ़ने से सारी बीमारियां खत्म हो जाएंगी। तुमने जितना भी कष्ट अपनी जिंदगी में झेला है, एक ही झटके में खत्म हो जाएगा। एक नए जीवन का अहसास करोगे। ऊपर वाले ने एक ही जीवन दिया है। इसलिए अपनी झोली में कष्ट नहीं, सुख डालो। यह सब तुम तब कर पाओगे, जब सच्चे ईश्वर को समझ पाओगे। बताया जा रहा है कि इस काम में और भी कई लोग शामिल हैं।

'इस किताब को पढ़ो, रोज प्रार्थना करो, सब ठीक हो जाएगा'

बोला गया- इसे पढ़ो, रोज प्रार्थना करो, सब ठीक हो जाएगा। उस किताब और धर्म के बारे में इंटरनेट पर सर्च कर और जानकारी हासिल की। इसके बाद प्रार्थना करने पर फायदा होने लगा। इसके बाद में रोज ऐसा करने लगी। गांव वालों से भी प्रार्थना कराने लगी। इसके लिए हर रविवार को स्पेशल प्रार्थना का आयोजन करती थी।

छह पर दर्ज है केस

दरअसल, गांव के लोगों ने परेशान होकर धर्मांतरण की शिकायत संतकबीरनगर के विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष सौरभ जायसवाल से की। सौरभ ने रविवार को सहजनवां थाने में केस दर्ज कराया। लक्ष्मी और पांच अज्ञात को नामजद किया। फिर पुलिस ने सोमवार को लक्ष्मी और रोशनी की गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तारी के दौरान तलाशी ली तो वहां से संबंधित किताबें, एक शुभ समाचार पुस्तिका, एक मसीही गीत पुस्तक और एक प्रभु की अनमोल सहायता पाकेट पुस्तिका बरामद हुई। इसके अलावा एक पुरानी डायरी और किताब भी मिली थी, जिस पर हिंदी-अंग्रेजी में कई तंत्र लिखे हुए थे। पुलिस को एक रूमाल भी मिला था, जिसे बीमार लोगों पर रखते ही बीमारियां दूर करने का दावा किया जाता था। मौके से एक मोबाइल भी मिला जिसमे धर्मांतरण से जुड़े कई वीडियो मिले हैं। एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर दो आरोपियों को जेल भिजवा दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

दूसरे जिलों में भी है नेटवर्क

लक्ष्मी केवल गोरखपुर ही नहीं, दूसरे जिलों में भी लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करती थी। वह पादरी भी थी और प्रार्थना सभा में लोग उसकी बातें दोहराते थे। पुलिस को उसके मोबाइल फोन से कई नंबर मिले हैं। इससे यह पता चला है कि कई और जिलों में भी लक्ष्मी का आना-जाना था। पुलिस इस बारे में जांच कर और जानकारी जुटा रही है। इस नेटवर्क से और कौन-कौन जुड़ा है, इसका भी पता लगाया जा रहा है।

पिपराइच में पकड़ा गया था मामला

सितंबर 2022 में पिपराइच इलाके के महुअंवा खुर्द गांव में प्रलोभन देकर धर्मांतरण के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। वह धर्म सभा आयोजित कर धर्म परिवर्तन करा रहे थे। वह गांव में खासकर अनुसूचित जाति के लोगों को रुपये, आराम की जिंदगी, मिशनरी स्कूलों में दाखिले, रोजगार जैसे लुभावने प्रलोभन देकर मनोवैज्ञानिक रूप से धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाते थे।

जो लोग उनके बहकावे में नहीं आ रहे थे, उन्हें यह कैंसर, पेट दर्द, कान बहना, गले में दर्द जैसी बीमारी बताकर सेवा भाव का नाटक रचते थे ताकि वह धर्म परिवर्तन कर लें। धर्म परिवर्तन करने के लिए आरोपी बिना डिग्री का इलाज भी करते थे।

आरोप है कि तीनों कैंसर, गर्दन दर्द, कान का बहना जैसे रोगों का इलाज करने का दावा करके झाड़-फूंक भी किया करते थे। जो लोग धर्म परिवर्तन के लिए रुपये लेने को तैयार नहीं होते थे, उन्हें इस माध्यम से तैयार करने की कोशिश की जाती थी। मौके से पुलिस को धार्मिक पुस्तकें भी मिली थीं।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर। सुजानगंज थानपा क्षेत्र के फरीदाबाद के पूरा कोदई निवासी विजय विश्वकर्मा की 28 वर्षीया पत्नी लक्ष्मी ने फांसी लगाकर जान दे दी । मंगलवार की रात वह अपनी दो बेटियों के साथ अपने कमरे में चली गयी। रात लगभग 9 भोजन बनने के बाद सास और जेठानी में उसे भोजन करने के लिये कहा तो उन्होंने कहा कि भोजन नहीं करूंगी। कुछ देर बाद उसके किसी संबंधी का फोन आया तो फिर उसे बुलाया गया लेकिन अन्दर से कोई जवाब नहीं आया तो परिजन घबराने लगे। काफी प्रयास के बाद भी कोई जवाब न मिलने पर किवाड़ तोड़कर देखा तो वह साड़ी के सहारे फांसी लगा ली थी। आनन-फानन में परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुजानगंज ले गये जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाते ही पुलिस स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया।

मुजफ्फरनगर में छह की मौत : कार की टक्कर लगते ही एक फीट उछल गया ट्रक

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। बघरा बाईपास पर हुआ हादसा इतना भीषण था कि कार की टक्कर लगने के बाद ट्रक भी पीछे से करीब एक फीट उछल गया। हाईवे पर दूसरी ओर ढाबे पर मौजूद लोग हादसा देखकर दौड़े। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कार में फंसे शवों को एक-एक कर बाहर निकाला और हाईवे किनारे रखते रहे। हाईवे किनारे लाशें जिसने भी देखीं, वह सहम गया।

प्रत्यक्षदर्शी राजेश कुमार ने बताया कि बाईपास पर ट्रक खड़ा हुआ था। पीछे से तेज गति से कार आई। जोर का धमाका हुआ। पहले कुछ समझ में नहीं आया।

आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई, एंबुलेंस मौके पर पहुंची। किसी तरह कार में फंसे लोगों को निकाला गया, जिनमें से छह की मौत हो गई। घायल को अस्पताल भिजवाया गया। वहीं शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ये है मामला

मुजफ्फरनगर के पानीपत-खटीमा हाईवे के बघरा बाईपास पर ढाबे पर खड़े ट्रक में पीछे से कार घुस गई। हादसे में हरियाणा के करनाल जिले के फरीदपुर से अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार जा रहे छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने बताया कि पिछले दिनों फरीदपुर के महेंद्र की मौत हुई थी। बुधवार को अस्थियां लेकर उनका बेटा पीयूष और परिवार के अन्य सदस्य मोहिनी, अंजू, विक्की, राजेंद्र, हार्दिक और शिवा हरिद्वार जा रहे थे। तितावी क्षेत्र में बघरा के पास हादसा हो गया। हार्दिक को घायल हालत में अस्पताल भेजा गया है, जबकि छह लोगों की मौत हो गई।

वस्त्र पाकर बच्चों के चेहरों पर दिखा उल्लास

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में बुधवार को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत वस्त्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वयं बच्चों को वस्त्र वितरित किए। बच्चों के उत्साह व खुशी को देखते हुए कुलपति ने कहा कि जब किसी जरूरतमंद को कुछ मिलता है, तो उसके चेहरे की प्रसन्नता ही हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि जीवन में आगे बढ़कर भी समाजसेवा के लिए तत्पर रहें। दान से बड़ा कोई धर्म नहीं है। चाहे किसी अंधे व्यक्ति को रास्ता दिखाना हो, प्यासे को पानी पिलाना हो या भूखे को भोजन करानाकृयही सच्ची सेवा है, इसी उद्देश्य से सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संचालन डॉ. अनुराग मिश्र और संयोजन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया। डॉ. आलोक गुप्ता, डॉ. परमेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. नृपेंद्र सिंह, उद्देश्य सिंह, डॉ नीतेश जायसवाल, डॉ. इंद्रेश कुमार सहित अन्य प्राध्यापक, अधिकारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खेत में काम करने से मना किया तो किसान ने 2 किशोरों को मार डाला, फिर पत्नी और बच्चियों संग दी जान, 6 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। बहराइच के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक ग्रामीण ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलवाया, सभी ने लहसुन की बोवाई से इनकार किया तो धारदार हथियार से वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद को परिवार सहित कमरे में बंद कर आग के हवाले कर दिया। फायर ब्रिगेड और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में दंपती व दो बेटियों समेत चार लोग जिंदा जल गए, चार मवेशियों की भी झुलसकर मौत हुई है।

गांव निवासी विजय कुमार खेती बाड़ी और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव निवासी सूरज यादव (14) पुत्र लच्छी राम और सनी वर्मा (13) पुत्र ओमप्रकाश को घर बुलवाया। दोनों ने नवरात्र का अंतिम दिन होने के चलते घर पर काम अधिक होने की बात कह कर खेत में काम करने से इन्कार कर दिया। इसी बात से गुस्साए विजय ने अपने घर के आंगन में धारदार हथियार से दोनों की हत्या कर दी। इसके बाद विजय ने खुद को पत्नी व बेटियों सहित कमरे के अंदर बंद कर घर में आग लगा ली। आग लगने पर कमरे में बंद लोगों ने चीखना चिल्लाना शुरू किया। गांव के लोग दौड़े, लेकिन आंगन में लहूलुहान दो लाशों को देखकर सभी के होश उड़ गए। उधर कमरे के अंदर आग की लपटों से घिरे लोग चीख चिल्ला रहे थे। सूचना पर फायर ब्रिगेड और रामगांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। रामगांव थाना अध्यक्ष ने बताया कि सूरज यादव और सनी वर्मा की धारदार हथियार से हत्या की गई है। कमरे के अंदर से विजय यादव उसकी पत्नी और दो बेटियों के शव निकाले गए हैं। उप जिलाधिकारी सदर पूजा चौधरी, पुलिस क्षेत्राधिकार महसी मौके पर पहुंचे हैं।

अंजुमन के सदस्यों का किया स्वागत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अंजुमन फारुकिया ने अपने सदस्यों के स्वागत का भव्य आयोजन कर सदस्यों को माला पहनाकर कर एवं विभिन्न प्रकार के पुरस्कार को देकर स्वागत करने के साथ ही हौसला अफजाई भी किया। शहर के ख्वाजागी टोला मोहल्ला स्थित मदरसा जहुरुल इस्लाम में पिछले कई बार से नातिया कार्यक्रम के मुकाबले में प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार से लगातार सम्मानित होते चले आने पर अंजुमन के जुझारू सदस्यों के लिए स्वागत का आयोजन कर सभी सदस्यों को बारी बारी सबसे पहले माला पहना कर स्वागत करने के साथ ही विभिन्न प्रकार के पुरस्कारों को देकर सम्मानित कर हौसला अफजाई किया गया। और अंजुमन को समय-समय पर नातिया कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए प्रथम दृष्टया नात को शायर से लिखवाने से लेकर एक एक सदस्यों को तैयार और नात की रिहर्सल करवाने के चलते मदरसे में सभी को एकत्रीत करने की जिम्मेदारी को बखूबी निभाने वाले मुख्य रूप से शहबाज सुहैल अंसारी,और मोहम्मद सेराज अंसारी के किए गए कार्यों को निगाह में रखकर स्वागत एवं पुरस्कार देकर सम्मानित करने के साथ ही अंजुमन के निजामी मोहम्मद हनीफ अंसारी ने दोनों की मेहनत और लगन के बारे में विस्तार से बताया जिसकी मौजूद लोगों द्वारा काफी सराहना की गई। कार्यक्रम में उस्ताद शायर अकरम जौनपुरी,और इरशाद खान ने नात और नज्म पढ़कर काफी वाहवाही लूटी, तत्पश्चात भोजन के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ। संचालन संयुक्त रूप से निजामी हाफिज हस्सान अंसारी और अजहर अंसारी ने किया।

गवाहों के बगैर पंजीकृत वसीयत संदेहास्पद और मालिकाना हक का दावा बेदम

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि गवाहों के अभाव में पंजीकृत वसीयत संदेहास्पद होती है। इसे सही साबित करने के लिए कानूनन कम से कम एक गवाह पेश किया जाना अनिवार्य है। अन्यथा केवल पंजीकृत वसीयत के दम पर संपत्ति के मालिकाना हक का दावा बेदम है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकलपीठ ने गाजियाबाद निवासी खुबी राम की अपील खारिज कर ट्रायल कोर्ट के आदेश पर मुहर लगा दी। याची ने दावा किया था कि उनके पिता रामस्वरूप ने 20 जनवरी 2011 को उनकी सेवाभाव से प्रसन्न होकर उनके पक्ष में पंजीकृत वसीयत लिखी थी।

पिता के निधन के बाद उन्होंने संपत्ति पर हक जताया लेकिन भाइयों ने इसका विरोध किया। ट्रायल कोर्ट ने जनवरी 2024 में दावा खारिज कर दिया। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने भी अपील खारिज कर कहा कि सिर्फ पंजीकृत वसीयत ही किसी को संपत्ति का मालिक नहीं बना सकती। कानून के मुताबिक वसीयत ऐसा दस्तावेज है जिसकी प्रामाणिकता बिना गवाहों की संदेहास्पद रहती है। वसीयत को साबित करने का भार वादी पर होता है। मौजूदा मामले में वादी वसीयत को कानून के मुताबिक साबित करने में विफल रहा है।

> भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा–68 के मुताबिक वसीयत को सिद्ध करने के लिए उसका कम से कम एक गवाह अदालत में पेश होना चाहिए। यदि गवाह मौजूद होते हुए भी अदालत में नहीं आता तो पंजीकृत वसीयत भी अधूरी ही नहीं, संदेहास्पद भी है।
>
> **-इलाहाबाद हाईकोर्ट**

वस्त्र पाकर बच्चों के चेहरों पर दिखा उल्लास

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में बुधवार को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत वस्त्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वयं बच्चों को वस्त्र वितरित किए। बच्चों के उत्साह व खुशी को देखते हुए कुलपति ने कहा कि जब किसी जरूरतमंद को कुछ मिलता है, तो उसके चेहरे की प्रसन्नता ही हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि जीवन में आगे बढ़कर भी समाजसेवा के लिए तत्पर रहें। दान से बड़ा कोई धर्म नहीं है। चाहे किसी अंधे व्यक्ति को रास्ता दिखाना हो, प्यासे को पानी पिलाना हो या भूखे को भोजन करानाकृयही सच्ची सेवा है, इसी उद्देश्य से सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संचालन डॉ. अनुराग मिश्र और संयोजन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया। डॉ. आलोक गुप्ता, डॉ. परमेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. नृपेंद्र सिंह, अधिकारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वृद्ध ने रचायी शादी, दूसरे दिन मृत मिला

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कुछमुछ गांव में अजीबोगरीब मामला सामने आया है। 75 साल के सगक राम ने सोमवार को 35 वर्षीय मिहला से शादी की, लेकिन शादी के 12 घंटे बाद ही उनकी मौत हो गई। घटना के समय घर पर नई नवेली दल्हन और उसके परिजन मौजूद थे। वृद्ध के पिरजन दिली मे रहते है और सूचना ा मिलने पर बुधवार सुबह गांव पहुचौ। इस बीच, मंगलवार देर शाम गौरा बादशाहपुर पुलिस ने शवको कब्जे में लेकर पोस्ज्ञटमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब पोटमाँटमरिपोट का इंतजार कर रही है। मृतक के भतीजे रिव कुमार ने थाने मे तहरीर दिया कि उनके चाचा सगक राम की मंगलवार को अचानक मौतहो गई । परिवार का कोई सदरय गांव में मौज्द नहीं है। इसीआधार पर पुलस ने पोटमाटम की प्रक्रिया शुर कर दी है। बताया गया है सगह राम ने शादी से चार दिन पहले 26 सितंबर को गांव के ही एक व्यक्ति को 5 बिस्वा जमीन 5 लाख रपये में बेची थी। उनके नाम पर कुल 15 बिस्वा जमीन थी,जिसमें से 5 बिस्वा बिक चुकी है। अबउनके नाम पर 10बिवा जमीन और एक पतरा बना घर बचा है। लोगों का कहना हैकि यह शादी गांव के ही एक व्यक्ति ने तय कराई थी। सगक राम ने दुहन मनभारती को शादी से पहले नए कपड़े और सामान खरीदने के लिए 20हजार रूपये दिए थे। गांव वालों के मुताबिक, सगक राम की पहली पत्नी 40 साल पहले बीमारी से मौत हो गई। घर में देखभाल करने वाला कोई नहीं था, इस वजह से उन्होने दूसरी शादी का किया।

बवाल में पुलिस की एंटी राइट गन छीनने के आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोली लगने से घायल

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में बवाल के मामले में आरोपियों पर पुलिस की कार्रवाई जारी है। सीबीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार सुबह करीब सात बजे मुठभेड़ में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों के पैर में गोली लगी है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने अस्पताल पहुंचकर दोनों आरोपियों से पूछताछ की। इस दौरान दोनों आरोपी हाथ जोड़कर माफी मांगने लगे।

बवाल के दौरान लूटी गई थी एंटी राइट गन

शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के दौरान पुलिस की राइट गन लूटी गई थी। अब सीबीगंज थाना पुलिस ने बंडिया नहर के किनारे बुधवार तड़के हुई मुठभेड़ में शाहजहांपुर जिले के निवासी इदरीश पंखिया उर्फ बोरा उर्फ गोरा को गिरफ्तार कर यह राइट गन बरामद की है। उसका साथी इकबाल भी पकड़ा गया है। मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी है।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने जिला अस्पताल जाकर आरोपियों से पूछताछ की। पता चला कि इदरीश शाहजहांपुर जिले के इस्लामनगर पंखाखेड़ा गांव का निवासी है। आईएमसी नेताओं के बुलावे पर वह शुक्रवार को शहर आया था और बवाल में शामिल हुआ था। आरोपी इदरीश ने खलील तिराहे के पास पुलिस टीम पर हमला किया था। पुलिस उसके दूसरे साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

इदरीश पर 20, इकबाल पर 17 मुकदमे दर्ज

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इदरीश पर चोरी-डकैती, गैंगस्टर और ऑर्म्स एक्ट के तहत 20 मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह इकबाल के विरुद्ध 17 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों से बवाल के दौरान छीनी गई एंटी राइट गन बरामद हुई है। दो तमंचे और कारतूस बरामद हुए हैं। पूछताछ में पता चला है कि दोनों घटना में शामिल थे। जेले भेजे गए नदीम खां ने दोनों को यहां बुलाया था। इससे यह स्पष्ट है कि घटना में बाहरी व्यक्ति भी शामिल हुए थे।

बूढ़े मां बाप का साथ छोड़ना शर्मनाक : कुलपति

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक एवं वृद्ध दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रम सैयद अलीपुर में बुजुर्गों से मिलकर उन्हें फल मिष्ठान आदि खाद्य सामग्री वितरित किया । इस पल में वह वृद्धो को देखकर भावुक हो गई । उन्होंने कहा कि लालन-पालन करने वाले मां-बाप को बच्चों द्वारा छोड़ देना बेहद शर्मनाक व गलत है । वृद्धाश्रम में पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ विजय कुमार सिंह संयोजक के नेतृत्व में वृद्धाश्रम पर वृद्ध सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने वृद्धा आश्रम में बुजुर्गों से मिली , उन्हे माला पहनाकर उनका सम्मान बढ़ाया हौसला अफजाई की। उनके सुख-दुख के बारे में जानकारी ली। उन्हें फल मिष्ठान अन्य खाद्य सामग्री का वितरित किया। इस दौरान कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने कहा कि जो माता-पिता सारे कष्ट दुख उठाकर बच्चों का लालन पोषण पालन करते हैं उन्हें पढ़ा लिखा कर उनके पैरों पर खड़ा करते हैं, ऐसे मां-बाप को जब बच्चों के सहारे की जरूरत होती है ,तो वही बच्चे उन्हें बूढे होने पर बेसहारा छोड़ देते हैं और अपनी दूसरी दुनिया को सजाते हैं। ऐसे बच्चों को शर्म आनी चाहिए यह कितना गलत है, जो निन्दनीय है वह क्षमा के काबिल भी नही है।जब बुढ़ापे में मां-बाप को बच्चों की जरूरत होती है, तब उन्हें लावारिस छोड़ देते हैं। इस दौरान कुलपति भावुक होकर रो पड़ी। विशिष्ट अतिथि परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह , उपकुल सचिव अजीत प्रताप सिंह ने बुजुर्गों को फल मिष्ठान वितरित किया । डॉ ममता सिंह, डॉ अमित सिंह, चंदन कुमार, सत्यम सुंदरम मौर्य ,रवि चौबे ,अंशुमान ,राजन पांडे, सुजीत प्रजापति ,सागर कनौजिया मौजूद रहे।

देश में डायबिटीज का नया संकट, 5-10% मरीज टाइप 1.5 का शिकार

हाल के वर्षों में डॉक्टरों ने डायबिटीज के एक प्रकार टाइप–1.5 के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई है। इसे लाडा के नाम से भी जाना जाता है।

डायबिटीज के बढ़ते मामले वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का कारण बने हुए हैं। ये सिर्फ ब्लड शुगर बढ़े रहने की स्थिति नहीं है, इसके कारण हृदय, किडनी, आंखों और तंत्रिकाओं से संबंधित समस्याओं का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। भारतीय आबादी भी तेजी से इस खतरनाक रोग की चपेट में आ गई है। यहां डायबिटीज के बढ़ते मामलों का आलम ये है कि भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' तक कहा जाने लगा है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि देश में हर साल लाखों डायबिटीज के नए मरीज सामने आ रहे हैं। इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि 20 से 40 साल की उम्र के लोग इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ गड़बड़ जीवनशैली, तनाव, आहार में गड़बड़ी, नींद और शारीरिक गतिविधियों में कमी को इसका सबसे बड़ा कारण मानते हैं।

डायबिटीज वैसे तो कई प्रकार की हो सकती है पर आमतौर पर इसके दो मुख्य प्रकारों टाइप-1 और टाइप-2 की सबसे ज्यादा चर्चा होती है। हाल के वर्षों में डॉक्टरों ने डायबिटीज के एक और प्रकार टाइप-1.5 के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई है। इसे लाडा के नाम से भी जाना जाता है। रिपोर्ट्स बताती हैं, भारत में डायबिटीज टाइप 1.5 के मरीजों की संख्या 5-10% तक हो सकती है।

टाइप 1.5 डायबिटीज के बारे में जानिए

टाइप 1.5 डायबिटीज के बारे में सबसे कम चर्चा होती है, यही कारण है कि अक्सर लोगों में इसका सही निदान भी नहीं हो पाता है।

यह टाइप-1 डायबिटीज का एक सबटाइप है। शोधकर्ताओं का मानना है कि आमतौर पर 30 वर्ष से अधिक आयु वालों में इस समस्या का निदान होता है। गौर करने वाली बात यह भी है कि इसके अधिकतर लक्षण टाइप-2 की तरह ही हो सकते हैं। यानी यह हाइब्रिड रूप है, जिसे पहचानना और समय पर इलाज करना और भी मुश्किल हो जाता है।

ऐसे लोगों को भी इंसुलिन इंजेक्शन की आवश्यकता होती रह सकती है। यह बीमारी धीरे-धीरे शरीर में विकसित होती है।

टाइप-2 और टाइप 1.5 में कंफ्यूजन

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन (एडीए)और यूरोपियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज (ईएएसडी) के एक ताजा शोध अध्ययन के अनुसार लाडा की शुरुआत में लक्षण टाइप 2 डायबिटीज से मिलते-जुलते होते हैं। कई मरीजों को शुरुआत में टाइप-2 का रोगी मानकर दवाइयां दी जाती हैं, लेकिन बाद में स्थिति बिगड़ने पर असली कारण सामने आता है। यही वजह है कि इस बीमारी को मिसडायग्नोसिस डिजीज भी कहा जाता है।

रिपोर्ट बताती है कि टाइप 1.5 डायबिटीज वाले मरीजों में ब्लड शुगर लंबे समय तक असंतुलित रहता है। ऐसे में हृदय रोग, किडनी डैमेज और आंखों की रोशनी प्रभावित होने का खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता है।

टाइप 1.5 डायबिटीज की पहचान कैसे करें?

विशेषज्ञ बताते हैं कि चूंकि इसके लक्षण अन्य प्रकार के डायबिटीज से मिलते-जुलते होते हैं इसलिए इसका सही निदान थोड़ा मुश्किल हो जाता है।

टाइप 1.5 डायबिटीज में भी आपको बार-बार प्यास लगना, अत्यधिक पेशाब आना, अचानक बिना कारण वजन घटना,लगातार थकान या कमजोरी महसूस होना, हल्की भूख के बावजूद ब्लड शुगर का तेजी से बढ़ना, जख्म या कट लगने पर देर से भरना और धुंधला दिखाई देने की समस्या हो सकती है।

शुगर मॉनिटर करने पर लगातार बढ़ा हुआ ग्लूकोज स्तर डायबिटीज का संकेत होता है जिसको लेकर डॉक्टर की सलाह जरूरी है। सुबह खाली पेट शुगर लेवल 125 एमजी/डीएल से ऊपर और भोजन के बाद 200 से अधिक रहना अलार्मिंग हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

एम्स के एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. विवेक अग्रवाल का कहना है कि भारत में मधुमेह की विशाल आबादी है और इसमें से 5-10 प्रतिशत मरीज लाडा से पीड़ित हो सकते हैं। समस्या यह है कि अधिकांश मामलों में इसे टाइप 2 मानकर इलाज किया जाता है। अगर समय रहते सही पहचान हो जाए तो मरीज गंभीर जटिलताओं से बच सकते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में कुल 10 करोड़ से अधिक डायबिटीज के मरीज हैं।

डायबिटीज-टाइप-5 को लेकर भी चर्चा

दुनियाभर के तमाम विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य संस्थाओं से डायबिटीज के एक सबसे कम चर्चित और उपेक्षित प्रकार- टाइप-5 डायबिटीज को औपचारिक रूप से मान्यता देने का आग्रह किया है, जो युवा और दुबले-पतले लोगों को अधिक प्रभावित करती है। माना जाता है कि दुनियाभर में 2.5 करोड़ लोग इससे प्रभावित हैं।

एक तरफ जहां टाइप-2 डायबिटीज के लिए खान-पान में गड़बड़ी (हाई कैलोरी) को प्रमुख कारण माना जाता है, वहीं टाइप-5 डायबिटीज पर्याप्त भोजन न करने से शुरू होता है। यानी ये नई बीमारी मुख्य रूप से उन किशोरों और युवा वयस्कों में देखी जा रही है जिनका वजन कम होता है या जिन्होंने बचपन में गंभीर खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया है क्योंकि कुपोषण उनकी इंसुलिन स्रावित करने की क्षमता को प्रभावित करता है।

हर महिला के पास होने चाहिए ये 5 सदाबहार बैग, दिखेंगी स्टाइलिश

बैग न केवल महिलाओं के फैशन का अहम हिस्सा हैं, बल्कि ये उनके रोजमर्रा के जीवन में भी बहुत उपयोगी होते हैं। एक अच्छा बैग न केवल आपके लुक को पूरा करता है, बल्कि आपके जरूरी सामानों को भी सुरक्षित रखता है। इस लेख में हम आपको पांच ऐसे सदाबहार बैग्स के बारे में बताएंगे, जो हर महिला के पास होने चाहिए और जो हर अवसर पर आपके स्टाइल को बढ़ावा देंगे।

टोट बैग

टोट बैग्स बड़े होते हैं और इनमें आसानी से बहुत सारा सामान आ सकता है। ये बाजार जाने से लेकर आफिस तक, हर जगह काम आते हैं। टोट बैग्स आमतौर पर कैनवास या लेदर से बने होते हैं, जो उन्हें मजबूत बनाते हैं। इनका आकार और डिजाइन भी अलग-अलग प्रकार के होते हैं, जिससे आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। टोट बैग्स का उपयोग करना आसान होता है और ये बहुत ही स्टाइलिश भी दिखते हैं।

मिनी बैग

मिनी बैग्स छोटे होते हैं, लेकिन इनकी उपयोगिता कम नहीं होती। ये छोटे बैग्स खासतौर पर पार्टी या किसी खास अवसर पर ले जाने के लिए बेहतरीन होते हैं। मिनी बैग्स में आप अपने जरूरी सामान जैसे फोन, पर्स और लिपस्टिक आदि रख सकती हैं। इनके डिजाइन भी बहुत आकर्षक होते हैं, जो आपके लुक को और भी खास बना देते हैं। मिनी बैग्स का चुनाव करते समय उनके रंग और सामग्री पर ध्यान देना जरूरी है।

क्रासबाडी बैग

क्रासबाडी बैग्स महिलाओं के लिए बहुत ही आरामदायक होते हैं। इन बैग्स को कंधे पर लटकाकर रखा जा सकता है, जिससे हाथ खाली रहते हैं और सामान सुरक्षित रहता है। क्रासबाडी बैग्स आमतौर पर छोटे होते हैं, लेकिन इनमें जरूरी सामान आसानी से फिट हो जाता है। इन बैग्स का उपयोग करते समय आपको हाथों में कुछ पकड़ने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है। ये बैग्स रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत सहायक होते हैं।

हैंडबैग

हैंडबैग्स हर महिला की अलमारी में होने चाहिए क्योंकि ये हर तरह की पोशाक के साथ अच्छे लगते हैं। हैंडबैग्स कई आकारों और डिज़ाइनों में आते हैं, जिससे आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। ये बैग्स न केवल स्टाइलिश होते हैं बल्कि आपके जरूरी सामानों को भी सुरक्षित रखते हैं। हैंडबैग्स का चुनाव करते समय उनके रंग और सामग्री पर ध्यान देना जरूरी है ताकि वे आपकी पोशाक के साथ मेल खाएं।

बैकपैक

बैकपैक्स उन महिलाओं के लिए आदर्श होते हैं, जिन्हें यात्रा करना पसंद है या जिन्हें अपने साथ ज्यादा सामान ले जाना पड़ता है। बैकपैक्स मजबूत होते हैं और इनमें कई खंड होते हैं, जिससे आपका सामान व्यवस्थित रहता है। इन बैकपैक्स का उपयोग करना आसान होता है और ये बहुत ही स्टाइलिश भी दिखते हैं। बैकपैक्स का चुनाव करते समय उनके आकार और सामग्री पर ध्यान देना जरूरी है ताकि वे आपकी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

पोनीटेल को स्टाइलिश बनाने के लिए अपनाएं ये तरीके

पोनीटेल एक सुंदर और सरल हेयरस्टाइल है, जो हर उम्र की महिलाओं पर अच्छी लगती है। इसे और भी आकर्षक बनाने के लिए आप कुछ छोटे-छोटे बदलाव कर सकती हैं। इन बदलावों से आपकी पोनीटेल न केवल सुंदर दिखेगी बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना देगी। आइए कुछ ऐसे आसान तरीके जानते हैं, जिनसे आप अपनी पोनीटेल को और भी स्टाइलिश बना सकती हैं।

ग्लिटर हेयर क्लिप्स का करें इस्तेमाल

ग्लिटर हेयर क्लिप्स आपके पोनीटेल को एक खास लुक दे सकते हैं। आप इनमें मोती, सितारे या फिर किसी भी तरह की सजावट वाली क्लिप्स चुन सकती हैं। ये न केवल आपकी पोनीटेल को सजाएंगी बल्कि उसे और भी आकर्षक बनाएंगी। इसके अलावा आप अलग-अलग रंगों और डिजाइन की क्लिप्स का भी चयन कर सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को और भी खास बना देंगे।

स्कार्फ से बांधे पोनीटेल

स्कार्फ का इस्तेमाल करके आप अपनी पोनीटेल को एक नया अंदाज दे सकती हैं। आप स्कार्फ को अपने सिर के चारों ओर बांधकर इसे बांध सकती हैं या फिर इसे पोनीटेल के नीचे लपेट सकती हैं। यह न केवल आपके बालों को सुरक्षित रखेगा बल्कि उन्हें एक स्टाइलिश लुक भी देगा। आप अलग-अलग रंग और डिजाइन वाले स्कार्फ का चयन करके अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं।

हेडबैंड से बनाए खास लुक

हेडबैंड का इस्तेमाल करके भी आप अपनी पोनीटेल को खास बना सकती हैं। आप पतले या चौड़े हेडबैंड चुन सकती हैं, जो आपके चेहरे पर जचेंगे। हेडबैंड में फूल, कढ़ाई या फिर चमकदार स्टोन का इस्तेमाल करके इसे और भी आकर्षक बनाया जा सकता है। यह न केवल आपके बालों को संभालेगा बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगा। अलग-अलग रंगों और डिजाइन वाले हेडबैंड का चयन करके आप अपने स्टाइल को और भी निखार सकती हैं।

बो क्लिप से मिलेगा नया लुक

बो क्लिप का इस्तेमाल करके आप अपनी पोनीटेल को नया अंदाज दे सकती हैं। बो क्लिप्स में रिबन या फिर किसी भी तरह की सजावट हो सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को खास बनाएंगी। इसे आप पोनीटेल के ऊपर या नीचे लगा सकती हैं, जिससे आपके बाल और भी सुंदर दिखेंगे। इस तरह की बो क्लिप्स न केवल आपके बालों को सजाएंगी बल्कि उन्हें एक नया अंदाज भी देंगी।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 और 2026 में 6 .5 प्रतिशत रहने के अनुमान : एडीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने मंगलवार अनुमान जारी कर कहा कि 2025 (वित्त वर्ष 26) और 2026 (वित्त वर्ष 27) में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत पर रह सकती है।

इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए एडीबी की ओर से एशिया और प्रशांत क्षेत्र की विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास दर को 0.1 प्रतिशत से लेकर 0.2 प्रतिशत से कम कर दिया गया है। इसकी वजह टैरिफ के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव आना है।

एडीबी ने बयान में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025 की पहली छमाही में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। इसकी वजह मजबूत सरकारी पूंजीगत खर्च था, जिनके निर्यात और मांग में कमी की भरपाई की है।

रिपोर्ट में कहा गया, भारत में औद्योगिक विकास में भी सुधार हुआ है, मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे खनन और यूटिलिटी सेक्टर में गिरावट की भरपाई हो गई है।

एडीबी के मुताबिक, मैन्युफैक्चरिंग परिस्थितियां भारत और पूरी आसियान अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत बनी हुई हैं। साथ ही, भारत में सर्विस पीएमआई मजबूत बनी हुई है और इसे यात्रा एवं मनोरंजन सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण फायदा हो रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, दुनिया के सबसे बड़े चावल निर्यातक भारत में अनुकूल मौसम और रिकॉर्ड फसल के बीच चावल की कीमतों में भी कमी आने का अनुमान है।

अमेरिका द्वारा लगाए गए हाई टैरिफ और बढ़ती व्यापार अनिश्चितता से क्षेत्र की वृद्धि पर असर पड़ने की आशंका है।

खाद्य और ऊर्जा की कम कीमतों के बीच इस वर्ष मुद्रास्फीति घटकर 1.7 प्रतिशत रह जाएगी और अगले वर्ष खाद्य कीमतों के सामान्य होने पर मामूली वृद्धि के साथ यह 2.1 प्रतिशत हो जाएगी।

एडीबी के मुताबिक भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति अगस्त में 2.07 प्रतिशत रही, जो एक वर्ष पहले दर्ज की गई 3.7 प्रतिशत की तुलना में काफी कम है। इस दौरान खाद्य कीमतों में लगातार तीसरे महीने गिरावट जारी रही और सालाना आधार पर 0.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण सब्जियों, दालों और मसालों की कम लागत है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा, अमेरिकी टैरिफ ऐतिहासिक रूप से उच्च दरों पर स्थिर हो गए हैं और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता उच्च स्तर पर बनी हुई है।

उन्होंने आगे कहा, मजबूत निर्यात और मजबूत घरेलू मांग की बदौलत इस साल विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र में विकास दर मजबूत बनी हुई है, लेकिन बिगड़ते बाहरी माहौल का भविष्य पर असर पड़ रहा है। नए वैश्विक व्यापार माहौल के बीच, सरकारों के लिए मजबूत व्यापक आर्थिक प्रबंधन, खुलेपन और क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना जारी रखना बेहद जरूरी है।

मारुति सुजुकी ने वैश्विक ऑटो दिग्गजों को पछाड़ा, अब दुनिया की बनीं आठवीं सबसे मूल्यवान कार कंपनी

मारुति सुजुकी ने वैश्विक ऑटो दिग्गजों को पछाड़ा, अब दुनिया की बनीं आठवीं सबसे मूल्यवान कार कंपनी

भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत स्थिति मजबूत करते हुए दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटोमोबाइल कंपनियों की सूची में शानदार एंट्री मार ली है। ईटीआईजी डेटा के अनुसार, 57.6 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण के साथ यह कंपनी अब वैश्विक रैंकिंग में आठवें पायदान पर काबिज हो गई है। इस उपलब्धि के साथ मारुति ने फोर्ड मोटर, जनरल मोटर्स और वोल्क्सवैगन जैसी अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। खास बात यह है कि मारुति ने अपनी मूल जापानी कंपनी सुजुकी मोटर को भी काफी फासले से मात दे दी है।आस-पास की कार डीलरशिपई-पेपर सब्सक्रिप्शन

पैरेंट कंपनी सुजुकी का बाजार मूल्य 29 अरब डॉलर

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मारुति सुजुकी का बाजार पूंजीकरण अब फोर्ड मोटर (46.3 अरब डॉलर), जनरल मोटर्स (57.1 अरब डॉलर) और वोल्क्सवैगन (55.7 अरब डॉलर) से बढ़कर आगे निकल गया है। ये सभी प्रतिस्पर्धी कंपनियां हाल के महीनों में या तो स्थिर रहीं या अपनी रैंकिंग में नीचे खिसक गईं। वहीं, मारुति की मूल कंपनी सुजुकी मोटर का बाजार मूल्य मात्र 29 अरब डॉलर पर अटका हुआ है।

टेस्ला शीर्ष पर बरकरार, टोयोटा दूसरे स्थान पर

वैश्विक ऑटोमोबाइल कंपनियों की मूल्यांकन सूची में अरबपति उद्योगपति एलन मस्क की टेस्ला 1.47 ट्रिलियन डॉलर के विशाल बाजार पूंजीकरण के साथ पहले नंबर पर कायम है। जापान की टोयोटा 314 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है, जबकि चीन की बीवाईडी 133 अरब डॉलर के मूल्य के साथ तीसरे पायदान पर है। फेरारी (92.7 अरब डॉलर) चौथे, बीएमडब्ल्यू (61.3 अरब डॉलर) पांचवें, मर्सिडीज-बेंज ग्रुप (59.8 अरब डॉलर) छठे और होंडा मोटर (59 अरब डॉलर) सातवें स्थान पर हैं। मारुति सुजुकी के बाद नौवें स्थान पर जनरल मोटर्स और दसवें पर वोल्क्सवैगन है।आस-पास की कार डीलरशिप

छोटी कारों से 60% से अधिक बिक्री, नए जीएसटी से बड़ा फायदा

भारत की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की कुल बिक्री में छोटी गाड़ियों का योगदान 60 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके अलावा, 22 सितंबर से लागू नई जीएसटी व्यवस्था का सबसे अधिक लाभ इसी कंपनी को मिल रहा है, जो इसकी बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत कर रही है। यह उपलब्धि न केवल भारतीय ऑटो उद्योग की ताकत को दर्शाती है, बल्कि वैश्विक पटल पर मारुति की बढ़ती रफ्तार का प्रमाण भी है।

नीचे दी गई तालिका में शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान ऑटोमोबाइल कंपनियों की पूरी सूची दी गई है:

रैंक	कंपनी	बाजार पूंजीकरण (डॉलर में)	
1	टेस्ला	1.47 ट्रिलियन	
2	टोयोटा	314 अरब	
3	बीवाईडी	133 अरब	
4	फेरारी	92.7 अरब	
5	बीएमडब्ल्यू	61.3 अरब	
6	मर्सिडीज-बेंज	59.8 अरब	
7	होंडा मोटर	59 अरब	
8	मारुति सुजुकी इंडिया	57.6 अरब	
9	जनरल मोटर्स	57.1 अरब	
10	वोल्क्सवैगन	55.7 अरब	आस-पास की कार डीलरशिप

आरबीआई ने लोन नियमों में किए बड़े बदलाव, आम लोगों को मिलेगी राहत, इस दिन से मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। । भारतीय रिजर्व बैंक ने आम लोगों और कारोबारियों को राहत देने के लिए लोन से जुड़े कई बड़े बदलावों की घोषणा की है। इनमें से तीन नियम 1 अक्टूबर से लागू हो जाएंगे, जबकि बाकी पर अभी विचार चल रहा है। अब अगर आपने फ्लोटिंग रेट पर लोन लिया है, तो बैंक तीन साल के लॉक-इन पीरियड से पहले भी आपकी श्वरूद्ध कम कर सकेंगे। वहीं, फिक्स्ड रेट लोन लेने वाले ग्राहकों को फ्लोटिंग रेट में स्विच करने का विकल्प भी दिया जा सकता है। इससे उधारकर्ताओं को ब्याज दर चुनने में ज्यादा लचीलापन मिलेगा।

आरबीआई ने गोल्ड लोन को लेकर भी बड़ा फैसला लिया है। अब सिर्फ जौहरी ही नहीं, बल्कि छोटे कारोबारी और कारीगर भी गोल्ड के बदले बैंक से लोन ले सकेंगे। गोल्ड मेटल लोन (त्ररूरु) की रीपेमेंट अवधि 180 दिन से बढ़ाकर 270 दिन करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। साथ ही, गैर-निर्माण ज्वेलरी विक्रेता भी इसे आउटसोर्सिंग के लिए इस्तेमाल कर सकेंगे। यह कदम रूस्रूश्व और ज्वेलरी सेक्टर के लिए लाभकारी साबित होगा।

आरबीआई ने बैंकों को ऑफशोर मार्केट से फंड जुटाने की अनुमति दी है। अब बैंक विदेशी मुद्रा या रुपये में बॉन्ड जारी करके पूंजी जुटा सकेंगे। इससे उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और वे ज्यादा लोन देने में सक्षम होंगे। भारत में काम कर रही विदेशी बैंक शाखाओं पर भी बड़े लोन और इंटर-ग्रुप ट्रांजेक्शन के नए नियम लागू होंगे, जिससे जोखिम कम होगा।

अब बैंक और वित्तीय संस्थान हर हफ्ते क्रेडिट ब्यूरो को डेटा भेजेंगे। पहले यह पाक्षिक रूप से भेजा जाता था। इससे क्रेडिट रिपोर्ट की गलतियां समय पर सुधर सकेंगी। रिपोर्ट में ष्ट्यड्डष्ट नंबर भी जोड़ा जाएगा, जिससे पहचान प्रक्रिया और आसान होगी।

गाजा जंग खत्म करने का अमेरिका ने दिया जो प्लान उसकी 3 शर्तें बदलवाना चाहता है कतर

कतर। गाजा के शांति प्रस्ताव की शर्तों में 3 बदलाव हो सकते हैं। हमास के कहने पर कतर ने इसकी पैरवी शुरू कर दी है। कतर के प्रधानमंत्री अल थानी ने खुद इसकी कमान संभाल ली है। थानी ट्रंप प्रशासन के संपर्क में है और कहा जा रहा है कि जल्द ही इन 3 शर्तों पर नया अपडेट आ सकता है। दरअसल, 2 दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ 20 सूत्रीय पीस प्लान जारी किया। इसमें युद्ध विराम से लेकर गाजा और फिलिस्तीन के विकास तक के बारे में बताया गया है।

इन 3 शर्तों पर हमास को ऐतराज

1- डोनाल्ड ट्रंप ने बफर जोन का मैप बनाकर यह जरूर बताया है कि इजराइली सैनिक फिलिस्तीन से बाहर निकल जाएंगे, लेकिन यह नहीं बताया है कि कब तक वापस आएंगे?

2- डोनाल्ड ट्रंप ने यह जरूर कहा कि हमास अगर शर्तों को नहीं मानता है तो उस पर अमेरिका एक्शन लेगा, लेकिन यह नहीं बताया कि भविष्य में अगर इजराइल शर्तों को तोड़ता है तो अमेरिका का रूख क्या होगा?

3- फिलिस्तीन और गाजा का जो समझौता हो रहा है, उसमें हमास अहम फैक्टर है। शर्तों में कहा गया है कि हमास को गाजा से बाहर किया जाएगा, जबकि पहले जो प्रस्ताव कतर ने दिया था, उसमें कहा गया था कि हमास के लड़ाके अहिंसक तरीके से गाजा में रह सकते हैं। यानी सत्ता में उसकी भागीदारी हो सकती है।

कतर चाह रहा है तीनों पर सफाई

कतर के प्रधानमंत्री अल थानी ने अमेरिकी वार्ताकारों से संपर्क साधा है। कतर की डिमांड यह है कि इन तीनों ही शर्तों पर अमेरिका फिर से विचार करे। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप इस पर बयान दे। कतर का कहना है कि हमास के हां कहने से जंग तो रूक जाएगा, लेकिन यह अस्थाई होगा।

दूसरी तरफ कतर में हमास के अधिकारी ट्रंप के प्रस्ताव पर अध्ययन कर रहे हैं। हमास को जवाब देने के लिए 4 दिन का वक्त मिला है। जवाब न देने पर अमेरिका इस डील से खुद को बाहर कर लेगा। हमास और इजराइल के बीच 2 साल से जंग जारी है। इस जंग में अब तक फिलिस्तीन के 66 हजार से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं।

'गाजा में मदद लेकर जा रहे जहाजी बेड़े के पीछे हमास का हाथ', इस्राइली विदेश मंत्रालय का बड़ा दावा

तेल अवीव, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय जहाजों का एक बेड़ा मानवीय मदद लेकर गाजा जा रहा है। इस बेड़े के साथ कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यकर्ता भी गाजा पहुंच रहे हैं, जिनमें स्वीडन की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग भी शामिल हैं। अब इस बेड़े को लेकर इस्राइल की सरकार ने बड़ा दावा किया है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने ऐसे दस्तावेज पेश किए हैं, जिनके आधार पर दावा किया जा रहा है कि गाजा में मदद लेकर जा रहे इस जहाजी बेड़े के पीछे हमास का हाथ है।

पीसीपीए, हमास की विदेश शाखा की तरह काम करता है

इस्राइली मीडिया के अनुसार, इस्राइली विदेश मंत्रालय ने कहा कि जहाजी बेड़े के नेताओं और आतंकी संगठन हमास का सीधा नाता है। इस्राइल ने दावा किया कि जहाजी बेड़े से गाजा में मदद लाने के अभियान के पीछे हमास की विदेश शाखा पीसीपीए है। पीसीपीए के कई सदस्य इस अभियान में शामिल हैं। इस्राइली मीडिया के अनुसार, पीसीपीए की स्थापना 2018 में की गई थी और यह विदेशों में हमास के दूतावासों की तरह काम करता है। साल 2021 में इस्राइल ने पीसीपीए को आतंकी संगठन घोषित किया था।

पीसीपीए के कई पदाधिकारी हमास से जुड़े

इस्राइल का कहना है कि पीसीपीए के कई पदाधिकारी, हमास के शीर्ष नेता हैं। इस्राइल ने जाहेर बिरावी का उदाहरण दिया, जो ब्रिटेन में पीसीपीए का प्रमुख है और बीते 15 वर्षों से गाजा में मानवीय मदद के लिए जहाजी बेड़ों को भेजने का काम करता रहा है। इसी तरह पीसीपीए का एक सदस्य सैफ अबु काशक साइबर नेपच्यून का सीईओ है। इस कंपनी के दर्जनों जहाज सुमुद जहाजी बेड़े का हिस्सा हैं, जो जल्द ही मदद लेकर गाजा पहुंचने वाले हैं। इस्राइल का तो ये भी दावा है कि काशक के स्वामित्व वाले कई जहाजों का असली स्वामित्व हमास के पास है। गौरतलब है कि करीब 47 नौकाओं और जहाजों का बेड़ा गाजा से करीब 150 नॉटिकल माइल दूर है। यह बेड़ा गाजा में इस्राइल के ब्लॉक को तोड़ेगा। कई देशों की सेनाएं भी इस जहाजी बेड़े का समर्थन कर रही हैं। इस्राइल ने इस बेड़े की आलोचना की और आशंका जताई कि इससे हमास को हथियारों की आपूर्ति की जा सकती है।

अमेरिका में सात साल बाद क्यों बंद हुआ सरकार का कामकाज, क्या होता है शटडाउन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार का कामकाज बंद हो गया है। रिपब्लिकन सांसदों ने 21 नवंबर तक सरकार को अल्पकालिक तौर पर फंड करने के लिए विधेयक पेश किया था, लेकिन वह भी पारित नहीं हो सका। डेमोक्रेट सांसदों ने इस बिल का विरोध किया, जिसके बाद ट्रंप सरकार के दूसरे कार्यकाल में पहली बार सरकारी फंडिंग रुक गई और शटडाउन हो गया। मंगलवार शाम को फंडिंग बिल पर मतदान हुआ, जो 55-45 के अंतर से पारित नहीं हो सका। सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी को विधेयक पारित कराने के लिए कम से कम 60 मतों की जरूरत थी।

अमेरिका में वित्तीय वर्ष की शुरुआत 1 अक्तूबर से होती है। वित्तीय वर्ष की शुरुआत में सरकार बजट बनाती है और ये तय करती है कि सरकारी पैसा कहां खर्च किया

जाएगा। अगर तय तारीख तक अमेरिकी संसद संघीय सरकार को फंड देने वाला बिल पास नहीं कर पाती है तो सरकार का कामकाज बंद हो जाता है। अमेरिकी राजनीति में बजट पर इस तरह की तनातनी सामान्य बात है और पहले भी कई बार अमेरिकी सरकार का कामकाज फंडिंग विधेयक पारित न होने की वजह से अटक चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप की सरकार संघीय सरकार के खर्चों में कटौती कर रही है और बीते महीनों में ऐसे कई कदम उठाए गए हैं, जिससे संघीय सरकार के खर्च कम किए जा सकें। हालांकि ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी कार्यक्रम को लेकर सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी में ठन गई। डेमोक्रेट सांसद चाहते हैं कि ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी को बढ़ाया जाए, लेकिन रिरब्लिकन पार्टी इसके लिए तैयार नहीं है। यही वजह है कि फंडिंग बिल पर सहमति नहीं बन पाई। शटडाउन रोकने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच बातचीत हुई लेकिन कोई सहमति नहीं बन पाई।

क्या होगा शटडाउन का असर

अमेरिका में शटडाउन होने का मतलब है कि सरकार के पास खर्च के लिए पैसा नहीं है। इससे सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली सैलरी से लेकर तमाम सरकारी खर्च रुक जाते हैं। अमेरिकी सरकार की आपात सेवाओं जैसे मेडिकल, सीमा सुरक्षा और हवाई सेवाओं को छोड़कर अन्य सेवाएं अटक सकती हैं। पिछले 50 साल में अमेरिका में 20 बार शटडाउन हुआ है। साल 2018 में सबसे ज्यादा 35 दिनों तक शटडाउन हुआ था। शटडाउन के चलते करीब साढ़े सात लाख संघीय कर्मचारियों को बिना सैलरी काम करना पड़ेगा। जिससे कई जरूरी सेवाएं बाधित होंगी। शटडाउन के चलते अमेरिकी सरकार के खाद्य मदद संबंधी कार्यक्रम, संघीय मदद से चलने वाले स्कूल, छात्र ऋण, नेशनल पार्क आदि बंद हो जाएंगे। शटडाउन का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी होगा और जानकारों का मानना है कि इसके चलते अमेरिकी आर्थिक विकास दर में हर हफ्ते 0.1 से लेकर 0.2 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। अमेरिका के कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस के आंकड़ों के अनुसार, आखिरी बार दिसंबर 2018 में 35 दिनों के लिए शटडाउन हुआ था। वहीं जनवरी और फिर फरवरी 2018 में भी क्रमशः तीन दिन और एक दिन के लिए शटडाउन हुआ था। इस तरह साल 2018 में कुल तीन बार अमेरिका में सरकारी कामकाज बंद हुआ था। 2018 से पहले 2013, 1995 में दो बार, 1990 में और 1987 में भी शटडाउन हुआ था।

मैंने 8 जंग खत्म कराई, नोबेल दो नहीं तो अमेरिका का अपमान मानेंगे...डोनाल्ड ट्रंप का नया बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि अगर उन्हें यह पुरस्कार नहीं मिला तो ये न सिर्फ उनके लिए बल्कि पूरे अमेरिका के लिए बड़ा अपमान होगा। ट्रंप का दावा है कि उन्होंने अब तक सात बड़े अंतरराष्ट्रीय संघर्ष खत्म कराए हैं। और अगर गाजा संघर्ष भी थम गया तो यह उनकी आठवीं ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब 10 अक्टूबर को इस वर्ष के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा होनी है। ट्रंप लंबे समय से नोबेल पुरस्कार की चर्चा करते रहे हैं। 2024 में उन्होंने कहा था कि अगर मेरा नाम ओबामा होता तो मुझे 10 सेकेंड में नोबेल मिल जाता। ओबामा को बिना कुछ किए यह सम्मान मिल गया, जबकि मैंने चुनाव जीतकर दिखाया है। अब ताजा बयान में उन्होंने फिर यही मुद्दा उठाया है।

ट्रंप ने क्या-क्या कहा

ट्रंप ने मंगलवार को वर्जीनिया स्थित क्वांटिको सैन्य मुख्यालय में अधिकारियों से बातचीत में कहा कि, हमने गाजा मुद्दे को लगभग सुलझा लिया है। अब देखना है कि हमास मानता है या नहीं। अगर वह नहीं मानता तो उनके लिए हालात मुश्किल हो जाएंगे। अच्छी बात यह है कि सभी अरब और मुस्लिम देशों ने सहमति दी है और इजराइल भी राजी है।

ट्रंप ने कहा, सोचिए, आठ संघर्षों को आठ महीनों में खत्म करना कोई मामूली बात है? लेकिन मुझे नोबेल नहीं मिलेगा। यह सम्मान किसी ऐसे व्यक्ति को दे दिया जाएगा जिसने कुछ किया ही नहीं या फिर किसी लेखक को जो ट्रंप के दिमाग पर किताब लिख दे और मेरी मेहनत की कहानी बेच दे।

अमेरिका का अपमान होगा-ट्रंप

राष्ट्रपति ने साफ कहा कि नोबेल न मिलना उनके लिए व्यक्तिगत मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्र का अपमान होगा। उन्होंने कहा, मैं यह पुरस्कार अपने लिए नहीं चाहता। यह अमेरिका को मिलना चाहिए क्योंकि ऐसी उपलब्धि दुनिया ने कभी नहीं देखी। आठ संघर्ष सुलझाना किसी चमत्कार से कम नहीं।

सात देशों ने किया ट्रंप को नोमिनेट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक सात देशों ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इनमें पाकिस्तान, इजराइल, अजरबैजान, आर्मेनिया, कंबोडिया, रवांडा और गैबॉन शामिल हैं। हालांकि, नोबेल समिति की परंपरा के मुताबिक नामांकन की आधिकारिक जानकारी 50 वर्षों तक सार्वजनिक नहीं की जाती।

मणिपुर में 2023 में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की, मुंबई में सबसे ज्यादा आर्थिक धोखाधड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में मणिपुर में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की। मणिपुर मई 2023 से जातीय हिंसा की चपेट में है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मणिपुर में चरमपंथियों द्वारा कुल 24 नागरिकों की हत्या की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, '2023 में ड्यूटी पर 15 पुलिसकर्मियों की हत्या हुई, जिनमें से 11 दंगाई भीड़ द्वारा मारे गए।'

मणिपुर में चरमपंथियों/विद्रोहियों द्वारा गोलीबारी में 24 नागरिक मारे गए, जो 2023 में देश में सबसे ज्यादा है। राज्य में 14,427 हिंसक अपराध दर्ज हुए, जो पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे ज्यादा हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में पुलिस लाठीचार्ज में छह लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर की अदालतों द्वारा 2023 में 247 मामले सुनवाई के लिए भेजे गए, जबकि पिछले वर्षों के 5,594 मामले लंबित हैं। मई 2023 से मणिपुर में कुकी और मैतेई के बीच जातीय हिंसा में 260 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

आर्थिक धोखाधड़ी के मामले सबसे ज्यादा मुंबई में

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में साल 2023 में आर्थिक अपराध के 6,476 मामले दर्ज हुए, जो देश के महानगरों की सूची में सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, 2022 में मुंबई में दर्ज आर्थिक अपराधों की संख्या की तुलना में, 2023 में ऐसे मामलों में गिरावट देखी गई। आंकड़ों के अनुसार, 2021 और 2022 में क्रमशः 5,671 और 6,960 ऐसे मामले दर्ज किए गए, लेकिन 2023 में यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 484 मामलों कम रहा। आर्थिक अपराध के मामले में मुंबई के बाद हैदराबाद का स्थान है जहां आर्थिक अपराधों के 5,728 मामले दर्ज किए गए, जबकि जयपुर में 5,304 मामले दर्ज हुए। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की संख्या के मामले में महाराष्ट्र का ग्राफ पिछले कुछ वर्षों में ऊपर की ओर बढ़ा है। 2023 में ऐसे अपराध 19,803 दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 18,729 और 2021 में 15,550 मामले दर्ज किए गए। राजस्थान 27,675 वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों के साथ पहले स्थान पर था, जबकि तेलंगाना 26,321 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर था। महाराष्ट्र इन दोनों राज्यों के बाद तीसरे स्थान पर रहा।

साइबर अपराध के महाराष्ट्र में आठ हजार मामले दर्ज हुए

साइबर अपराध के मामले में, महाराष्ट्र में 8,103 मामले दर्ज किए गए और वह चौथे स्थान पर रहा। कर्नाटक 2023 में 21,889 मामलों के साथ पहले स्थान पर था। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2023 में 17,631 साइबर अपराध के मामलों के साथ बंगलूरू पहले स्थान पर रहा, जबकि 4,855 मामलों के साथ हैदराबाद दूसरे स्थान पर है। मुंबई में 2023 में साइबर अपराध के 4,131 मामले दर्ज किए गए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख का राष्ट्रपति को पत्र, आरएसएस संस्थापक हेडगेवार को भारत रत्न देने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है। इस पत्र में सिद्दीकी ने हेडगेवार को स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्र निर्माता बताया और कहा कि उन्होंने देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में जो योगदान दिया है, उसके लिए उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं में देशभक्ति की भावना को भी प्रेरणा मिलेगी।

जमाल सिद्दीकी ने कहा, हेडगेवार जी के योगदानों- जैसे स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी, संगठन निर्माण की अद्भुत क्षमता और एक भारत का सपना- को देखते हुए उन्हें भारत रत्न देना बिलकुल उपयुक्त होगा। यह सम्मान न केवल उनके बलिदान को मान्यता देगा, बल्कि देशभर में सेवा कार्य में लगे स्वयंसेवकों को भी प्रेरित करेगा। केशव बलिराम हेडगेवार का जन्म एक अप्रैल 1889 को नागपुर में हुआ था। उन्होंने 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी। यह संगठन इस साल दो अक्तूबर को विजयदशमी के दिन अपने 100 साल पूरे कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आरएसएस के इस शताब्दी वर्ष के अवसर पर आज दिल्ली के डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इसकी जानकारी दी है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने एक विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्का भी जारी किया, जो आरएसएस के राष्ट्र के प्रति कथित योगदान को दर्शाएगा।

पीएम ने 'मन की बात' में किया आरएसएस का जिक्र

'मन की बात' कार्यक्रम में देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसएस और उसके संस्थापक हेडगेवार की 'अभूतपूर्व और प्रेरणादायक' यात्रा की सराहना की। पीएम मोदी खुद पहले आरएसएस से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब 100 साल पहले आरएसएस की स्थापना हुई थी, तब भारत गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। उन्होंने कहा, 'सदियों की गुलामी ने हमारे आत्म-सम्मान और आत्म-विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई थी। दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता पहचान के संकट से गुजर रही थी। हमारे नागरिक हीन भावना के शिकार हो रहे थे। ऐसे समय में पूज्यनीय हेडगेवार जी ने विजयदशमी के शुभ अवसर पर 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। हेडगेवार जी के निधन के बाद गुरुजी ने इस महान सेवा कार्य को आगे बढ़ाया।'

रोंगटे खड़े कर देगा कांतारा : चैप्टर 1 का इंटरवल, स्टंट डायरेक्टर का खुलासा, दोबारा नहीं बन पाएगा ऋ षभ शेट्टी का फाइट सीन

होम्बले फिल्म्स और ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांताराः चैप्टर 1 साल की सबसे बड़ी सिनेमाई घटना बनकर उभरी है। 2022 में कांतारा की अभूतपूर्व सफलता के बाद, दर्शक इसके प्रीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो रोंगटे खड़े कर देने वाले पलों और रूह कंपा देने वाले दृश्यों से भरपूर है।

यह न सिर्फ उम्मीदों पर खरा उतरता है, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाता है, और एक अनोखे सिनेमाई तूफ़ान का मंच तैयार करता है। इतिहास रचते हुए, ट्रेलर को सिर्फ 24 घंटों में 107 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ और 3.4 मिलियन लाइक्स मिले। अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, यह एक दिन में सबसे ज़्यादा शेयर किया जाने वाला ट्रेलर भी बन गया है।

जी हां, कांताराः चैप्टर 1 का ट्रेलर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है, जहां इसे हर तरफ से अपार प्यार और सराहना मिल रही है, वहीं 24 घंटों में सबसे ज़्यादा शेयर किए जाने वाले ट्रेलर का इसका रिकार्ड भी ख़ास है। अब तक, ट्रेलर ने 160 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यह वाकई ट्रेलर की सफलता का प्रतीक है क्योंकि भले ही व्यूज़ अप्राकृतिक हों, लेकिन शेयर करने का तरीका दर्शकों के बीच असली उत्साह को दर्शाता है। इससे यह भी पता चलता है कि लोगों को फिल्म पर गर्व है और उन्होंने इसे अपना बना लिया है। इस फ़ल्मि में पाँच स्टंट कोरियोग्राफरों की एक दमदार टीम भी है, जिसमें हालीवुड के टोडर लाज़रोव और प्रशंसित भारतीय कलाकार राम-लक्ष्मण, महेश मैथ्यू और मिथुन सिंह राजपूत शामिल हैं। कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हुए, एक्शन निर्देशक अर्जुन राज ने फ़ल्मि के ज़बरदस्त इंटरवल और क्लाइमेक्स दृश्यों को डिज़ाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, अर्जुन राज ने अपने पसंदीदा एक्शन दृश्यों में से एक के बारे में बात की और इसे जीवंत बनाने के लिए ऋषभ शेट्टी के अटूट समर्पण पर प्रकाश डाला।

एक्शन निर्देशक अर्जुन राज ने बताया, इंटरवल और क्लाइमेक्स दृश्य मेरे पसंदीदा हैं, ख़ास तौर पर इंटरवल वाली लड़ाई, ऋषभ सर के साथ मेरा पहला बड़ा कोरियोग्राफ़ी दृश्य था, उनका अभिनय और एक्शन इसे अविस्मरणीय बनाते हैं, मेरा मानना है कि इस दृश्य को कोई और नहीं बना सकता, यह इतना अनोखा है, मुझे पूरा विश्वास है कि न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया इस फ़ल्मि को देखने के बाद इसकी सराहना करेगी। कांताराः चैप्टर 1, होम्बले फिल्म्स के सबसे महत्वाकांक्षी उपक्रमों में से एक है, इसकी रचनात्मक टीम में संगीत निर्देशक बी। अजनीश लोकनाथ, छायाकार अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिज़ाइनर विनेश बंगलान शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म के प्रभावशाली दृश्य और भावनात्मक कथानक को आकार दिया है।

इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। निर्माताओं ने कांताराः चैप्टर 1 के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ एक व्यापक युद्ध दृश्य तैयार किया है, जिसमें 500 से ज़्यादा कुशल योद्धा शामिल हैं और 3,000 लोग इसमें शामिल हैं।

ईशा गुप्ता ने दिखाया स्टाइलिश अंदाज, पोस्ट कीं तस्वीरें

बालीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धमाल-4 को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं।

पहली तस्वीर में ईशा कमर पर हाथ रखकर दिलकश अंदाज में पोज दे रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में उनका अलग अंदाज देखने को मिल रहा है।

अभिनेत्री के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने करियर की शुरुआत जात 2 से की थी, जिसमें वह इमरान हाशमी के साथ नजर आई थीं।

अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह जल्द ही धमाल-4 में नजर आएंगी। मेकर्स ने इसका पोस्टर जारी कर दिया है।

यह फिल्म टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले है। इसका निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है, जबकि अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक इसके निर्माता हैं।

धमाल फ्रैंचाइजी की शुरुआत 2007 में हुई थी, जिसका निर्देशन भी इंद्र कुमार ने किया था। इस फिल्म में संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारों ने दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद 2011 में डबल धमाल और फिर टोटल धमाल रिलीज हुई, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। धमाल-4 के साथ यह फ्रैंचाइजी एक बार फिर हंसी और मनोरंजन का डबल डोज देने को तैयार है।

यह फिल्म 2026 की ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस इस कामेडी सीरीज की अगली कड़ी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में अजय देवगन के साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं।

बालीवुड में काम करना चाहती हैं कांताराः चैप्टर 1 अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत

अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत की आने वाली फिल्म कांतारा : चैप्टर 1 का ट्रेलर कुछ समय पहले रिलीज हुआ था। वह इस फिल्म में राजकुमारी कनकवती के किरदार में दिखाई देंगी। अभिनेत्री रुक्मिणी ने बताया कि वह बालीवुड में काम करना चाहती हैं। उन्होंने करण जौहर या दूसरे किसी बड़े बालीवुड फिल्म निर्माता के साथ काम करने की भी हसरत जाहिर की है। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि क्या वह बालीवुड में अवसर तलाशना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए रुक्मिणी ने कहा, बिल्कुल, धर्मा प्रोडक्शंस उस क्लासिक सिनेमा का प्रतीक रहा है, जिसे हम सभी पसंद करते हैं। अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उनके साथ काम करना जरूर चाहूंगी। भविष्य में क्या होगा, यह तो मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मुझे वहां काम करने का अवसर मिलेगा। मैंने यह नहीं सोचा कि मैं किस बैनर, निर्देशक या अभिनेता के साथ काम करना चाहूंगी। मेरे पास ऐसी कोई सूची नहीं है। रुक्मिणी ने यह भी बताया कि कैसे कोविड-19 महामारी ने उन्हें वर्तमान में जीना सिखाया है। उन्होंने कहा, कोविड ने मुझे सिखाया कि ज्यादा सोचना नहीं चाहिए। मेरे मन में एक इरादा और उम्मीद है, जिसके साथ मैं आगे बढ़ना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि हिंदी सिनेमा में किसी खूबसूरत, मजेदार और दिल को छूने वाली प्रेम कहानी का हिस्सा बनूं। देखते हैं, क्या होता है। लेकिन, कोविड-19 के बाद से मैं अब ज्यादातर वर्तमान में जीती हूं। रुक्मिणी ने इससे पहले एक इंटरव्यू में अपने किरदार के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार अपनी जमीन, लोककथाओं और आस्था को सबके सामने पेश करने के जैसा था। कांतारा : चैप्टर 1 को होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनियाभर में काड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म ऋषभ शेट्टी की 2022 की ब्लाकबस्टर फिल्म कांतारा का प्रीक्वल है। फिल्म की स्क्रिप्ट ऋषभ शेट्टी ने लिखी है और उसे निर्देशित भी किया है, जबकि विजय किरगंडुर फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म में जयराम, राकेश पुजारी और रुक्मिणी वसंत जैसे सितारे भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।

मधुमक्खी नहीं राक्षस हूं, हारर कामेडी से एक्शन अवतार में दिखे प्रभा, द राजा साब का दमदार ट्रेलर रिलीज

साउथ सुपरस्टार प्रभास स्टारर रोमांटिक हारर कामेडी फिल्म द राजा साब का ट्रेलर रिलीज हो गया है। प्रभास के फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है और ट्रेलर ने फैंस की बेताबी को और बढ़ा दिया है। बीते दिन मेकर्स ने फिल्म से प्रभास और संजय दत्त का एक पोस्टर जारी कर ट्रेलर के रिलीज डेट की जानकारी दी थी। इस पोस्टर में प्रभास और संजय दत्त का अलग ही अवतार दिख रहा था। अब जब फिल्म द राजा साब का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

तीन मिनट से ज़्यादा के ट्रेलर में प्रभास को सम्मोहित होते हुए दिखाया गया है और बाहर आने से पहले कई अजीबोगरीब चीज़ों और एक आलीशान महल का अनुभव करते हुए दिखाया गया है। फिर वह अपने दादा संजय दत्त की तस्वीर देखते हैं और फिर उनका भूत प्रकट होता है।

बाद में निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और मालविका मोहनन के बीच रोमांटिक ट्रैक के साथ प्रभास अपने हाव-भाव और भावनाओं में विविधता दिखाते हुए दिखाई देते हैं। लुंगी पहने प्रभास सभी को चौंका देते हैं, इससे पहले कि ट्रेलर एक बार फिर अलौकिक और डरावने तत्वों के साथ आता है। प्रभास स्टार वार्स के लिए तैयार होते हैं और विज़ुअल इफेक्ट्स, सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड स्कोर ने दृश्यों को और भी बेहतर बना दिया है। ट्रेलर के अंत में प्रभास को अलग-अलग अवतार में दिखाया गया है जो सभी को आश्चर्यचकित कर देता है।

फिल्म के निर्माता पीपल मीडिया फैक्ट्री से जुड़े टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद हैं। फिल्म का निर्देशन मारुति दसारी ने किया है। इस फिल्म की कहानी एक युवा उत्तराधिकारी की है, जो अपनी शाही विरासत और विद्रोही भावना से सत्ता में आता है और फिर द राजा साब बनकर अपने शासनकाल में अभूतपूर्व नियमों को लागू करता है। फिल्म की स्टारकास्ट में प्रभास, संजय दत्त, मालविका मोहनन, निधिन अग्रवाल, रिद्धी कुमार, और योगी बाबू अहम रोल में दिखेंगे। फिल्म की आगामी 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com